राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार,9जनवरी 2021 वर्ष-3, अंक -341 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फिर दिखेगा ठंड का कहर, पहाड़ों पर बर्फबारी और उत्तरी भारत में बारिश का अनुमान

नई दिल्ली। पूरा उत्तरी भारत सर्दी का मौसम देख रहा है। कुछ दिनों लगातार बारिश झेलने के बाद एक दिन की राहत मिली। लेकिन अब फिर मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि उत्तरी भारत के कुछ इलाकों में बारिश हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पश्चिमी हिमालय में बर्फबारी और पंजाब, हरियाणा, पूर्वोत्तर राजस्थान और पश्चिम उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है।

दक्षिणी में भारत में बारिश

अफगानिस्तान के पश्चिमी हिस्सों पर एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ देखा जा रहा है जिसकी वजह से आज पहाड़ों में बर्फबारी और हल्की बारिश होने की संभावना है। दक्षिण-पूर्व अरब सागर पर एक चक्रवाती परिसंचरण और दक्षिण तमिलनाडु तट पर एक और चक्रवाती संचलन के कारण, अगले 2-3 दिनों के दौरान दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में व्यापक रूप से तापमान में भारी गिरावट, गरज और चमक के साथ भारी बारिश होने की संभावना है। अगले 24 घंटों के दौरान केरल, माहे और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। कर्नाटक के तट से लेकर निचले क्षोभ मंडल के स्तरों में निचले स्तर के ईस्टर में एक कुंड (निम्न दबाव का क्षेत्र) के प्रभाव में; अगले 2 दिनों के दौरान महाराष्ट्र में भी मध्यम गरज और बिजली के साथ छिटपुट बारिश देखी जा सकती है।

उत्तर पश्चिमी भारत के कुछ इलाकों के तापमान मे भारी गिरावट-उत्तर पश्चिमी भारत के ज्यादातर भागों में अगले 4-5 दिनों के दौरान तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की संभावना है। 8 और 9 जनवरी को पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में शीत लहर की स्थिति होने की संभावना है। प्रचुर मात्रा में उपलब्ध नमी और अन्य अनुकूल मौसम संबंधी सुविधाओं के कारण, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में घना कोहरा देखा जा सकता है

हमने चीन को किसी भी तरह का प्रक्रियात्मक खेल खेलने नहीं दिया

फ्रांस और भारत के बीच रणनीतिक वार्षिक संवाद के लिये भारत के दौरे पर आए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कूटनीतिक सलाहकार इमैनुएल बोन ने कहा चीन जब नियम तोड़ता है तो हमें बेहद मजबूत और बेहद स्पष्ट होना होगा।

नई दिल्ली। फ्रांस ने कश्मीर के मुद्दे पर भारत का खुले शब्दों में समर्थन किया है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति के सलाहकार का कहना है कि कश्मीर मुद्दे पर भारत का फ्रांस समर्थन करता रहा है और उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में चीन को कोई 'प्रक्रियागत खेल' खेलने नहीं दिया। इससे पहले अमेरिका भी चीन और कश्मीर के मुद्दे पर भारत का समर्थन कर चुका है।

फ्रांस और भारत के बीच रणनीतिक वार्षिक संवाद के लिये भारत के दौरे पर आए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कूटनीतिक सलाहकार इमैनुएल बोन ने कहा, 'चीन जब नियम तोड़ता है, तो हमें बेहद मजबूत और बेहद स्पष्ट होना होगा। हिंद महासागर में हमारी नौसेना की मौजूदगी का मकसद यही है।'

क्वाड के करीब है फ्रांस

विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन (वीआइएफ) द्वारा आयोजित 'फ्रांस और भारत स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत के साझेदार' विषय पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि फ्रांस क्वाड (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत का समूह) के करीब है और भविष्य में उनके साथ कुछ नौसैनिक अभ्यास भी कर सकता है।

फ्रांसीसी नौसेना का ताईवान में गश्त अकसावे के लिए नहीं

फ्रांसीसी नौसेना के ताईवान में गश्त करने वाली एक मात्र यूरोपीय नौसेना होने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह उकसावे के तौर पर नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करने की आवश्यकता पर जोर डालने के लिये है। बोन ने कहा, 'हमें टकराव और नहीं बढ़ना है और मैं समझता हूं कि दिल्ली के मुकाबले पेरिस से यह कहना कहीं ज्यादा आसान है, वह भी तब, जब हिमालय क्षेत्र में आपके यहां समस्या है और आपकी सीमा पाकिस्तान से लगी हो।'

चीन का नहीं खेलने देंगे कोई खेल-उन्होंने कहा, 'भारत के समक्ष प्रत्यक्ष खतरे को लेकर हम हमेशा बहुत स्पष्ट रहे हैं। चाहे वह कश्मीर ही क्यों ना हो, हम सुरक्षा परिषद में भारत के प्रबल समर्थक रहे हैं, हमने चीन को किसी भी तरह का प्रक्रियात्मक खेल खेलने नहीं दिया। जब बात हिमालय के क्षेत्रों की आती है, तो आप हमारे बयानों की जाँच कर लें, हम पूरी तरह से स्पष्ट रहे हैं। हम सार्वजनिक रूप से क्या कहते हैं, उसमें कोई अस्पष्टता नहीं है।'

● 'हमें टकराव और नहीं बढ़ना है और मैं समझता हूं कि दिल्ली के मुकाबले पेरिस से यह कहना कहीं ज्यादा आसान है, वह भी तब, जब हिमालय क्षेत्र में आपके यहां समस्या है और आपकी सीमा पाकिस्तान से लगी हो।'

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ अपनी बातचीत के बारे में बोन ने कहा कि रणनीतिक अवसरों के साथ-साथ द्विपक्षीय रक्षा और सुरक्षा संबंधों को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि सैन्य सहयोग और हिंद महासागर के मुद्दे पर भी बातचीत हुई।

राष्ट्रीय राजमार्गों से हटेंगे टोल प्लाजा

नई दिल्ली। नए साल में सड़क यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। सरकार देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों से टोल प्लाजा हटाने की तैयारी कर रही है। टोल प्लाजा के स्थान पर सरकार फास्टैग की मदद से ऑटो जीपीएस आधारित टोल कलेक्टशन सिस्टम लागू करने जा रही है। इससे चलते फिरते टोल टैक्स अदा किया जा सकेगा। खास बात यह है कि इस तकनीक में जितना किलोमीटर टोल रोड का इस्तेमाल होगा, उतना ही टैक्स कटेगा। अन्य फायदों में सड़क यात्रियों को राष्ट्रीय राजमार्गों पर कंजेशन से छुटकारा मिलेगा। सफर जल्द पूरा होगा, जाम से हजारों करोड़ लीटर ईंधन बर्बाद नहीं होगा और पर्यावरण का नुकसान कम होगा। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एनएचएआई के चेयरमैन व सचिव को इस बाबत पांच जनवरी को नोट जारी कर दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एक जनवरी से नए व पुराने वाहनों के लिए फास्टैग अनिवार्य कर दिया गया है। सरकार टोल प्लाजा पर नगद टैक्स वसूली को समाप्त कर 100 फीसदी फास्टैग यानी ऑनलाइन टैक्स वसूली सिस्टम को लागू करने जा रह है। वर्तामान में लगभग 500 टोल प्लाजा से 80 फीसदी टैक्स वसूली फास्टैग से हो रही है। और तीन करोड वाहनों मे फस्टैग लगाया जा चुका है। अधिकारी ने बताया कि आधुनिक तकनीक युग में ऑनलाइन टोल कलेक्शन से टोल प्लाजा गैर जरुरत होते जा रहे हैं। इसलिए सरकार चरणबद्ध तरीके से देशभर के सभी टोल प्लाजा को राष्ट्रीय राजमार्गो से हटाने जा रही है। नए साल में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना की टेंडर प्रक्रिया में टोल प्लाजा का निर्माण कराने का प्रावधान हटा दिया जाएगा। यानि भविष्य में नए राजमार्ग प्लाजा राहित बनेंगे।

पूरा सिस्टम सेटलाइट से जुड़ा होगा-एनएचएआई में इस योजना से जुड़े तकनीकी जानकार अधिकारी ने बताया कि पूरा सिस्टम सेटलाइट आधारित जीपीएस से जुड़ा होगा। टोल रोड पर जगह जगह लगे ऐंटीना युक्त पोल व एडवांस सीसीटीवी कैमरें लगे होंगे। सेंसर फास्टटैग को रीड कर वाहन का पूरा विवरण टोल टैक्स सिस्टम के कंप्यूटर डाटा बेस को भेज देंगे। जिससे टोल टैक्स नहीं देने अथवा गड़बड़ी की आशंका नहीं रहेगी। राष्ट्रीय राजमार्गो की जियो मैपिंग होगी। जिससे टोल रोड का जितना इस्तेमाल किया जाएगा, उनका ही टैक्स ऑटोमैटिक कट जाएगा।

यूपी-बिहार विधान परिषद चुनावों में भाजपा को मिलेगी बड़ी सफलता

15 में से 12 सीटों पर जीत लगभग तय

नई दिल्ली। इस महीने के आखिर में होने वाले तीन राज्यों की 15 विधान परिषद सीटों के चुनाव में भाजपा को बड़ी सफलता मिलने जा रही है। इनमें उत्तर प्रदेश में 12 सीटों के लिए और बिहार में दो सीटों के लिए चुनाव होने हैं, जबकि एक सीट आंध्र प्रदेश की रिक्त हुई है। उत्तर प्रदेश में भाजपा को 12 में 10 सीटें मिलने की संभावना है। जबकि बिहार की दोनों सीटें उसके हिस्से में आ सकती हैं। हालांकि यहां पर वह अपने सहयोगी दलों को भी संतुष्ट कर सकती है। आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी को सीट मिलेगी। उत्तर प्रदेश के विधान परिषद चुनाव में सपा की 6 सीटें रिक्त हो रही है लेकिन

विधानसभा के गणित में वह एक सीट जीतने की स्थिति में है। सभी विपक्षी दल एक होने पर एक और सीट जीत सकते हैं। बसपा के लिए संभावनाएं बेहद कम है। उत्तर प्रदेश के लिए भाजपा अपने उम्मीदवारों की घोषणा अगले सप्ताह कर सकती है इनमें उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह का फिर से उम्मीदवार बनना है तय है।

राज्यसभा चुनावों में भाजपा-बसपा में थी गुपचुप सहमति-बीते राज्यसभा चुनावों में भाजपा और बसपा में गुपचुप सहमति थी। बसपा को ज्यादा वोटों की दरकार के मद्देनज़र भाजपा ने उसके प्रत्याशी रामजी गौतम को राज्यसभा पहुंचाने में मदद की। इससे नाराज बसपा के पांच विधायकों ने बगावत कर दी थी। इस पर मायावती ने यह घोषणा कर दी थी कि विधान परिषद चुनाव में वह समाजवादी पार्टी को सबक सिखाने के लिए भाजपा को समर्थन भी कर सकती है। अगर बसपा की इस सियासी मंशा और मंतव्य में कोई बदलाव नहीं हुआ तो भाजपा 12वीं सीट के लिए या यूं कहें 11वां एमएलसी पाने के लिए प्रत्याशी उतार सकती है। फिलहाल यह देखने वाली बात होगी कि दोनों पार्टियों का मौजूदा रुख क्या रहेगा। बिहार में दो सीटें रिक्त हुई हैं। इनमें एक सीट सुशील मोदी के राज्यसभा सांसद चुने जाने से और दूसरी सीट विनोद नारायण झा के विधानसभा चुनाव जीत जाने के कारण रिक्त हुई है। भाजपा यहां इन सीटों पर खुद या अपने सहयोगी दलों को मौका दे सकती है।बिहार में अभी राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार भी होना है और दोनों सदनों के आंकड़ों के मुताबिक एनडीए के सभी दल अपनी-अपनी दावेदारी करेंगे। भाजपा और जदयू के साथ वीआईपी और 'हम' भी अपना-अपना दावा कर रहे हैं।

कोरोना वैक्सीन का सालों तक रहेगा असर, संक्रमण से रहेंगे सुरक्षित-मॉडर्ना सीईओ

पेरिस। मॉडर्ना की कोरोना वैक्सीन एक बार लेने पर कुछ सालों तक संक्रमण से बचाएगी। मॉडर्ना के सीईओ ने यह दावा किया है। हालांकि, अभी भी कोई सटीक आंकलन करने के लिए वैक्सीन से जुड़ी कई जानकारियां जरूरी हैं। यह अमेरिकी कंपनी बीते साल उस वक्त चर्चा में आई थी जब कोरोना के फैलने के कुछ ही हफ्तों के अंदर इसने वैक्सीन बनाने का दावा किया था। अब मॉडर्ना की कोविड वैक्सीन को यूरोपियन कमीशन ने बुधवार को मंजूरी दी है। टीका बनाने और फार्माकोविजिलेंस को देखते हुए आमतौर पर सालों के समय की जरूरत होती है, ऐसे में कोविड -19 के टीके कितने समय के लिए सुरक्षा करेंगे यह वैज्ञानिकों और नियामकों के लिए एक बड़ा सवाल है। मॉडर्ना सीईओ स्टीफन बैंसेल ने कहा कि मीडिया में आ रही ये खबरें कि वैक्सीन सिर्फ एक या दो महीनों तक ही प्रभावी रहेगी, बेकार हैं।

उन्होंने बताया कि वैक्सीन से मानव शरीर में जो ऐंटीबॉडी बनती हैं वह काफी धीमे-धीमे कम होती है। इसलिए हमें लगता है कि वैक्सीन लोगों को कुछ सालों तक सुरक्षित रखेगी। बैंसेल ने यह भी कहा कि उनकी कंपनी जल्द ही यह साबित करने वाली है कि उनकी वैक्सीन ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका में मिले कोरोना के नए वेरिएंट्स पर भी असरदार है।

कोरोना वैक्सीन से जुड़ी फर्जी खबरों से निपटने की तैयारी

सरकार सोशल मीडिया के जरिये लोगों को देगी सही सूचना

नई दिल्ली। केंद्र सरकार कोरोना टीकों से जुड़ी फर्जी खबरों से निपटने की तैयारी में जुट गई है। सरकार की कोशिश लोगों में कोरोना टीकों की स्वीकार्यता बढ़ाने की भी होगी। एक अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इन दोनों मकसद से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर, व्हाट्स एप, फेसबुक और टेलीग्राम समेत यूट्यूब का सहारा लिया है। सरकार लोगों में टीकाकरण की विश्वसनीयता को बढ़ाने के लिए एंटरटेनमेंट, स्पोर्ट्स और राजनीतिक जगत से जुड़े सेलेब्रिटी का सहारा लेगी।

पिछले हफ्ते केंद्रीय ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ)

की विशेषज्ञ समिति ने देश में कोरोना टीकों के आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी थी। इसके बाद से ही केंद्र सरकार टीकाकरण शुरू करने की तैयारी में है। भारत बायोटेक के टीके कोवैक्सीन और एस्ट्राजेनेका के टीके कोविशील्ड को मंजूरी दी गई है।

पिछले सप्ताह स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी जन संचार रणनीति का उद्देश्य समय रहते लोगों को सटीक और पारदर्शी जानकारी प्रदान करना है ताकि टीके से जुड़ी आशंकाओं और डर को दूर किया जा सके। इस रणनीति के तहत केंद्र राष्ट्रीय, राज्य और जिला-स्तरीय संचार गतिविधियों का मार्गदर्शन करेगा ताकि सभी व्यक्ति तक जानकारी पहुंच सके।

डब्ल्यूएचओ भी कर चुका है आगाह

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पहले ही देशों को चेतावनी दी है कि फर्जी सूचनाओं का प्रसार टीकाकरण के प्रयासों को प्रभावित कर सकता है। केंद्रीय मंत्रालय से जुड़े अधिकारी ने नाम नहीं उजागर करने की शर्त पर कहा- सरकार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके कोरोना टीकों को लेकर सही जानकारी लोगों तक पहुंचाएगी ताकि इससे संबंधित फर्जी सूचनाओं के प्रसार को रोका जा सके। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से अक्सर गलत सूचनाओं का प्रसार किया जाता है, इसलिए सरकार ने इन प्लेटफार्म पर उपस्थिति मजबूत करने का फैसला किया।

जम्मू-कश्मीर से धारा-370 हटा तो 'टेररिस्ट टैक्स' से आजाद हुई केसर, पहली बार कानपुर-दिल्ली के कारोबारियों ने किए सौदे

कानपुर। कश्मीर के आतंकवाद ने खुशबू को भी कैद कर रखा था। धारा 370 हटने के सवा साल बाद अब खुशबू आजाद होने लगी है। पिछले 30 साल में पहली बार कानपुर-दिल्ली के केसर कारोबारी घाटी तक जाकर केसर के सौदे कर पा रहे हैं। 'टेररिस्ट टैक्स' तकरीबन खत्म होने से केसर की कीमतें ऐतिहासिक रूप से घटी हैं। ढाई लाख रुपये किलो बिकने वाली केसर 90 हजार के दाम तक आ गई है। देश में केसर का उत्पादन केवल कश्मीर में होता है। दुनिया में कश्मीरी केसर सर्वोत्तम मानी जाती है। इसके रंग और खुशबू का जलवा भारत के अलावा, यूरोप, अमेरिका, अरब मुल्क हर कहीं है। अस्सी के दशक से घाटी में आतंकी लगातार खून बहा रहे थे, लिहाजा केसर वहीं कैद थी। आतंकियों को भारी चौथ दिए बगैर केसर कारोबार होता ही नहीं था। किसी बाहरी कारोबारी के लिए यह संभव नहीं था। केवल कश्मीरी कारोबारी के माध्यम से ही केसर घाटी से बाहर निकलती थी।

आतंकवादी संगठनों का था पहरा-केसर की हैसियत आतंकी संगठन बेहतर जानते हैं। केसर की खेती जम्मू-कश्मीर के बडगाम,

केसर कारोबारी शारिक अहमद ने कहा, पहले केसर कई चैनल को पार करते हुए हमारे पास पहुंचती थी। इस साल माल का सौदा सीधे किसानों से किया है। फसल भी अच्छी है और घाटी में दर्जनों कारोबारी माल खरीद रहे हैं।

पुलवामा, श्रीनगर और किश्तवाड़ में होती है। करीब 35 हजार कश्मीरी इसकी खेती से जुड़े हैं। ये चारों ही जिले आतंकवाद से बुरी तरह प्रभावित रहे हैं। यहां पैदा होने वाली केसर पर आतंकी अपना टैक्स वसूलते थे और रेट तय करते थे। किसी दूसरे राज्य के व्यापारी में इतनी हिम्मत नहीं थी कि वहां जाकर सीधे किसानों से सौदा कर सके, इसलिए केसर के भाव आसमान पर थे।

370 खत्म होने से खास केसर हुई आम-आतंकियों के पहरे और 'टेररिस्ट टैक्स' की वजह से केसर का भाव 2.25 लाख से 2.50 लाख रुपये किलो सामान्य तौर पर रहता था। लॉकडाउन के दौरान केसर इस भाव में बिक रही थी। बीते नवरात्र में केसर 1.75 लाख रुपये में आ गिरी। दिसंबर के तीसरे हफ्ते से पहली बार केसर 90 हजार रुपये प्रति किलो आ गिरी है। तीस साल बाद पहली बार कानपुर और दिल्ली के व्यापारी सीधे कश्मीर जाकर केसर का सौदा कर रहे हैं।

द किराना मर्चेन्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष अवधेश बाजपेयी ने कहा, आतंकी फंड के कारण केसर के रेट अनाप-शनाप थे। मोलभाव करना गुनाह था। अब हालात बदले तो केसर का वास्तविक व्यापार शुरू हुआ है, जिसका सीधा असर भाव पर पड़ा है।

केसर कारोबारी शारिक अहमद ने कहा, पहले केसर कई चैनल को पार करते हुए हमारे पास पहुंचती थी। इस साल माल का सौदा सीधे किसानों से किया है। फसल भी अच्छी है और घाटी में दर्जनों कारोबारी माल खरीद रहे हैं।

ईरान की नागिन केसर ने भी दी बाजार में दस्तक

इस बीच ईरान की नागिन केसर ने भी बाजार में कदम रख दिए हैं। नयागंज के केसर कारोबारी ब्रजेश पोरवाल ने बताया कि स्वाद और रंग में कश्मीरी केसर को चुनौती दे रही नागिन केसर महज 80 हजार रुपये किलो है। स्पेनिशन केसर भी नया विकल्प बनकर तैयार है। ये 1.35 लाख रुपये की एक किलो है।

केसर के दाम
स्पेनिश केसर-135 रुपए/ग्राम
भारतीय केसर- 90 रुपए/ग्राम
ईरानी केसर-80 रुपए/ग्राम

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बदायूं की घटना

देश के अंतर्मन को झिंझोड़ती उत्तर प्रदेश के बदायूं की घटना ने एक बार फिर निर्भया कांड की याद दिला दी। मंदिर गई पचास वर्षीय महिला की पोस्टमार्टम रिपोर्ट रोंगटे खड़ी करने वाली है। रिपोर्ट हैवानियत की गवाही देती है। इससे पहले पुजारी महिला के कुएं में गिरकर घायल होने की बात करके पुलिस-प्रशासन को गुमराह करता रहा लेकिन पुलिस ने जिस तरह प्राथमिक स्तर पर कोताही बरती और परिजनों के कहने के बाद दूसरे दिन घटनास्थल पर पहुंची और घटना को गैंगरेप व हत्या मानने से इनकार करती रही, वह शर्मनाक है। यद्यपि योगी सरकार अपराधियों के प्रति शून्य सहिष्णुता का दावा करती रहती है लेकिन निचले स्तर के पुलिस वाले उसके दावों को पलीता लगाते रहते हैं। देर से ही सही, बदायूं के उघैती थाना के प्रभारी को निलंबित करके पुलिस की छवि को हुई क्षति को कम करने का प्रयास हुआ। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में क्रूरता की पुष्टि होने के बाद गैंगरेप और हत्या का मामला दर्ज किया गया है। मामले के दो अभियुक्त गिरफ्तार हुए हैं मगर मुख्य अभियुक्त अब तक फरार है। एक बार फिर इनसानियत शर्मसार हुई। यह घटना हमारी आस्था को भी खंडित करने वाली है कि मंदिर में भी महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। इससे समाज का यह विश्वास खंडित होता है कि धार्मिक स्थल शुचिता और सुरक्षा के पर्याय हैं। समाज को अब यह तय करना होगा कि ऐसी आपराधिक सोच के लोग धर्म का चोगा पहनाकर अपनी आपराधिक प्रवृत्तियों को अंजाम न दे सकें। यह भी तथ्य सामने आता है कि कामांध लोगों की शिकार किसी भी उम्र की महिलाएं हो सकती हैं। निस्संदेह जहां यह कानून व्यवस्था की विफलता का मामला है, वहीं आस्था और विश्वास को खंडित करने का भी वाकया है। कानून का भय अपराधी मनोवृत्ति के लोगों में न होना कानून-व्यवस्था के औचित्य पर सवालिया निशान लगाता है, जिसके बाबत सत्ताधीशों को गंभीरता से सोचना होगा। निस्संदेह बदायूं की हैवानियत हर संवेदनशील व्यक्ति के मन को लंबे समय तक उद्वेलित करती रहेगी क्योंकि इसमें आस्था स्थल की शुचिता को तार-तार किया गया है। यह भी कि इस अपराध को अंजाम देने वालों में ईश्वरीय और कानूनी मर्यादाओं का कोई भय नहीं रहा। जो इनसानियत से भी भरोसा उठाने वाली घटना है। घटनाक्रम सरकार व स्थानीय प्रशासन को सचेत करता है कि धर्मस्थलों में सदाचार व नैतिक व्यवहार सुनिश्चित किया जाये। सवाल पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी उठता है कि निचले स्तर के पुलिसकर्मियों को पीड़ितों के प्रति संवेदनशील व्यवहार के लिये प्रशिक्षित किया जाये। जहां यौन हिंसा रोकने के लिये बने सख्त कानूनों के सही ढंग से क्रियान्वयन का प्रश्न है वहीं निचले दर्जे के अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने का भी प्रश्न है। पुलिस की ऐसी ही संवेदनहीनता हाथरस कांड में भी नजर आई थी। सवाल यह भी है कि ऐसे मुद्दे जघन्य अपराधों के वक्त ही क्यों उठते हैं। बहरहाल, महिलाओं को सशक्त करने की भी जरूरत है ताकि वे ऐसी साजिशों के खिलाफ प्रतिरोध कर सकें। शहरों ही नहीं, गांव-देहात में भी ऐसी पहल हो और ऐसी योजनाएं सिर्फ कागजों में ही नहीं, धरातल पर आकार लेती नजर आयें। अधिकारियों को ऐसे मामलों को समझने और पीड़ितों के प्रति संवेदनशील व्यवहार के लिये प्रशिक्षित करने की सख्त जरूरत है। साथ ही शासन-प्रशासन की तरफ से अपराधियों को सख्त संदेश जाना चाहिए कि हैवानियत को अंजाम देने वाले लोगों को सख्त सजा समय से पहले दी जायेगी, जिससे अपराधियों में कानून तोड़ने के प्रति भय पैदा हो सकेगा। तभी हम आदर्श सामाजिक व्यवस्था की ओर उन्मुख हो सकते हैं। सवाल योगी सरकार पर भी है कि बड़े अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का दावा करने के बावजूद अखबारों के पन्ने जघन्य अपराधों की खबरों से क्यों पटे हुए हैं।

आज के ट्वीट

दुश्मन

किसी भी इंसान को ज़्यादा सुधारना चाहोगे तो वो आपका दुश्मन बन जाएगा ..!!

अमिताभ बच्चन

भारत-नेपाल संबंध : समयानुकूल था फैसला

डॉ. ब्रह्मदीप अलुने

जवाहरलाल नेहरू ने अपनी किताब 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' में बुद्ध की शिक्षाओं पर बात करते हुए बुद्ध और उनके शिष्य आनंद के बीच की घटना का वर्णन किया है। एक बार बुद्ध ने अपने हाथ में कुछ सूखी पत्तियां लेकर आनंद से पूछा कि हाथ की इन पत्तियों के अलावा क्या और भी कहीं पत्तियां हैं। आनंद ने जवाब दिया, 'पतझड़ की पत्तियां सभी तरफ गिर रही हैं, और इतनी हैं कि उनकी गिनती नहीं हो सकती'। तब बुद्ध ने कहा, 'इसी तरह मैंने तुम्हें मुट्ठी भर सत्य दिए हैं, लेकिन इनके अलावा कई हजार सत्य हैं, इतने कि उनकी गिनती नहीं हो सकती'। दरअसल, इतिहास में दफन घटनाओं को खोद कर बाहर लाने की किताबी कोशिशों से मुट्ठी भर घटनाओं का विश्लेषण तो किया जा सकता है लेकिन समय काल और परिस्थिति के अनुसार राष्ट्रीय मानस और उस पर आधारित तत्कालीन निर्णयों की दृष्टि का अंदाजा लगाना दुष्कर होता है। खासकर कूटनीतिक मामलों में रुको और देखो की दीर्घकालीन नीतियों को अच्छा नहीं समझा जाता। कोई भी राष्ट्रीय नेतृत्व राष्ट्रीय हित को सर्वोपरी रखकर समयानुकूल निर्णय लेने को बेहतर समझता है। इस समय चर्चा में भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी की ऑटोबायोग्राफी 'द प्रेसिडेंशियल ईयर्स' है। इसमें दावा किया गया है कि भारत के पहले प्रधानमंत्री नेहरू के सामने नेपाल के राजा त्रिभुवन बीर बिक्रम शाह ने अपने देश के भारत में विलय का प्रस्ताव था जिसे नेहरू ने स्वीकार नहीं किया। भारत की आजादी के समय त्रिभुवन बीर बिक्रम नेपाल के राजा थे और 1955 में मृत्यु तक इस पद पर बने रहे। कितान के दावे की सच्चाई को तलाशने का प्रयास इसलिए भी जरूरी हो जाता है कि किसी राष्ट्र के हित उसकी कूटनीति में प्रतिबिम्बित होते हैं। दोनों देशों के बीच 1850 किमी. से अधिक लंबी साझा सीमा है, जिससे भारत के पांच राज्य सिक्किम, प. बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जुड़े हैं। देखा गया था कि भारत को आजादी मिलने के समय नेपाल में भी लोकतंत्र स्थापित होने की बेकरारी देखी जा रही थी। 1950 में नेपाली कांग्रेस ने लोकतांत्रिक आंदोलन का नेतृत्व किया तो बड़ी संख्या में नेपाली जनता भी इस संघर्ष में शामिल हो गई। राणाओं और राजा के बीच सत्ता और शक्ति संघर्ष का परिणाम हुआ कि भयभीत राजा त्रिभुवन बीर बिक्रम और उनके बेटे महेन्द्र बीर बिक्रम शाह देव ने भारतीय दूतावास में शरण ली। विद्रोह को भारत के नेपाल से लगते सीमाई राज्यों से भी मदद मिल रही थी। नेहरू लोकतंत्र के बड़े समर्थक होकर भी फासिस्ट ताकतों की सर्वाधिकारवादी प्रवृत्ति के आलोचक भी थे। नेपाली कांग्रेस समाजवादी लोकतांत्रिक दल के रूप में पहचान बना चुका था। यह भारत की नीतियों के अनुकूल था। नेहरू के लिए लोकतांत्रिक सरकार को समर्थन करना लाजिमी था और राजा त्रिभुवन बीर बिक्रम के लिए अपनी सुरक्षा। 17 मार्च, 1950 को नेहरू ने संसद में कहा था कि भारत तथा नेपाल के मध्य किसी तरह का कोई सामरिक संबंध नहीं है, किन्तु भारत नेपाल पर किसी भी आक्रमण को सहन नहीं करेगा क्योंकि नेपाल पर आक्रमण भारत की सुरक्षा के लिए निश्चित खतरा होगा। जाहिर है कि नेहरू सौहार्दपूर्ण रिश्तों के बाद भी चीन पर ज्यादा भरोसा नहीं करते थे। भारत व चीन के बीच बफर राष्ट्र के रूप में नेपाल का स्थायित्व भारत के राष्ट्रीय हितों के लिए जरूरी समझा गया। नेहरू की नजर में नेपाल में राजतंत्र खत्म हो जाने से भारत के इस पड़ोसी देश में आंतरिक संघर्ष शुरू हो सकता था। नेपाल की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए सामरिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भारत के लिए यह बेहतर स्थिति न होती। लिहाजा, भारत ने 1950 की मैत्री संधि के जरिए न केवल नेपाल की सुरक्षा सुनिश्चित की, बल्कि राजा त्रिभुवन की मदद भी की। इसके बाद नेपाल में संवैधानिक राजतंत्र को बहाल किया गया। यह वह समय था जब राजा त्रिभुवन के अस्तित्व पर ही खतरा मंडरा रहा था। ऐसे में भारत में नेपाल के विलय की पेशकश को मानना भारत की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा के लिए आत्मघाती कदम हो सकता था। किसी चूके हुए और अलोकप्रिय राजा के किसी राज्य की संप्रभुता को दांव पर लगाने के निर्णय का परिणाम जन विद्रोह के रूप में सामने आ सकता था। भारत के लिए इसे सम्हालना मुश्किल हो सकता था। लगता है कि नेहरू ने दूरदर्शिता का परिचय देते हुए न केवल नेपाल में राजनीतिक स्थिरता कायम करके वहां की जनता की संवेदनाओं को जीत लिया, बल्कि नेपाल की आर्थिक सहायता प्रदान करके चीन पर निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। भारत और नेपाल के बीच 1950 की मैत्री संधि के अनुसार दोनों देशों की सीमा एक-दूसरे के नागरिकों के लिए खुली रहेगी। इस समय भी नेपाल और भारत के बीच बेरोकटोक आवागमन होता है। गौरतलब है कि नेपाल की राजनीति में 1950 से लेकर 1955 तक गहरा अस्थायित्व रहा।1951 में दिल्ली समझौते के बाद नेपाल में संयुक्त सरकार की स्थापना हुई। कुछ दिनों बाद राणाओं और नेपाली कांग्रेस में गहरे मतभेद पैदा हो गए। फिर नेपाल में सशत्र विद्रोह प्रारंभ हो गया था। उस समय देश में कम्युनिस्ट विचारधारा के लोगों का भी खासा प्रभाव था, भारत के किसी अप्रिय कूटनीतिक कदम से वहां की जनता भारत के खिलाफ लामबंद हो सकती थी और चीन मजबूत। भारत ने शुरू से ही नेपाल में लोकतंत्र को मजबूत करने की कोशिशें जारी रखीं, 1947 में नेपाल के प्रधानमंत्री की मांग पर भारत ने नेपाल में नया संविधान बनाने में सहायता की। भारत की आजादी के आंदोलन में उपनिवेश और साम्राज्यवाद का विरोध केंद्र में रहा था। साम्राज्यवाद राज्य की ऐसी नीति है, जिसका उद्देश्य अपने राज्य की सीमाओं से बाहर रहने वाली ऐसी जनता पर नियंत्रण स्थापित करना होता है, जो सामान्य रूप से ऐसे नियंत्रण को स्वीकार करने के लिए अनिच्छुक है। क्या भारत किसी अलोकप्रिय राजा द्वारा अपने राज्य को भारत में मिलाने के फैसले को स्वीकार करने की गलती कर सकता था। नेपाल अब भी राजतंत्र और लोकतंत्र के बीच झूलता नजर आता है। वहां आंतरिक अशांति बदस्तूर जारी है। शुक्र है कि नेहरू ने ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया जिसके दूरगामी परिणाम नव स्वतंत्र भारत की सुरक्षा और प्रगति के लिए नासूर बन जाते।

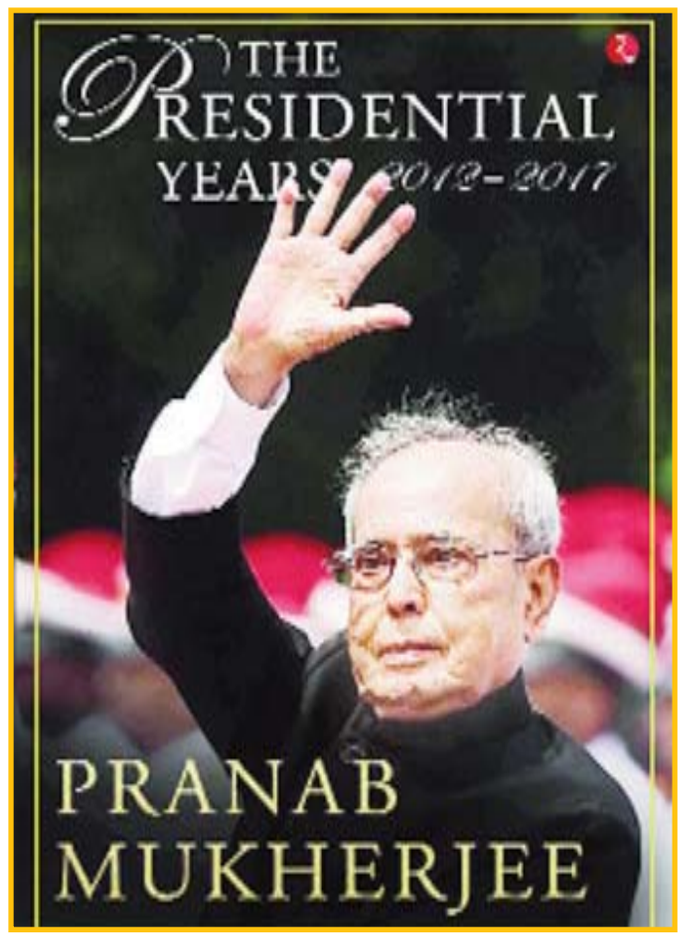

ज्ञान गंगा

ईश्वर बिना जीवन

सद्गुरु

दुनिया पर नजर डालिए। क्या सभी ईश्वर में विश्वास करने वाले लोग आनंदित जीवन जीते हैं? नहीं। कुछ भक्त ऐसे हुए जो परमानंद में विभोर रहे, मगर उनकी तादाद मुट्ठी भर है। इतिहास में, एक मीराबाई और एक रामकृष्ण परमहंस हुए, जो आनंद से भरे रहते थे। आजकल ऐसे भक्त देखने को नहीं मिलते जबकि करीब 90 फीसद दुनिया किसी-न-किसी ईश्वर में विश्वास करती है। अगर 90 फीसद लोग वाकई आनंदित हो जाएं, तो मैं रिटायर हो जाऊंगा। मैं वाकई ऐसा दिन देखना चाहूंगा। जब मैं आठ-नौ साल का था, तो मुझे यह देखने की बहुत इच्छा होती थी कि जो लोग मंदिर में ईश्वर से मिलने जाते हैं, उनके साथ क्या होता है। इसलिए मैं जाकर एक बड़े मंदिर के सामने बैठ गया और बाहर आने वाले लोगों को बहुत ध्यान से देखने लगा। मैंने सिर्फ यह पाया कि वे आम तौर पर किसी ऐसी चीज या शख्स के बारे में गॉसिप कर रहे होते थे। भारतीय मंदिरों में कई बार किसी की चप्पलें किसी और के साथ चली जाती हैं। जब लोगों को अपनी चप्पलें नहीं मिलतीं, तो वे सृष्टि और सृष्टा को कोसने लगते। मैंने हमेशा रेस्तरांओं से निकलने वाले लोगों के चेहरों पर मंदिरों और चचरे से निकलने वाले लोगों के मुकाबले अधिक खुशी देखी। कोई जाकर ईश्वर से मिलकर आया और अपने चेहरे पर बिना किसी खुशी के बाहर निकला। किसी ने डोसा या इडली खाई और अधिक खुश होकर बाहर निकला! यह बात समझ नहीं आती, है न? इसकी वजह यह है कि लोगों को ईश्वर का कोई अनुभव नहीं होता, उनके अंदर सिर्फ विश्वास होता है और आपका विश्वास सामाजिक और सांस्कृतिक चीज होती है। अब सवाल है कि 'क्या मैं ईश्वर के बिना बेहतर तरीके से जी सकता हूं?' मुझे नहीं लगता कि ऐसी कोई संभावना है। वह क्या चीज है, जिसे आप ईश्वर कहते हैं? सृष्टि का जो स्रोत है, वही ईश्वर है। क्या आप सृष्टि के स्रोत के बिना जी सकते हैं? सृष्टि का एक स्रोत है, तभी सृष्टि है। क्या आप सृष्टि के स्रोत को छोड़कर अच्छी तरह रह सकते हैं? ऐसी कोई संभावना नहीं है। क्या आप सृष्टि के स्रोत के प्रति जागरूक रहे बिना जी सकते हैं। हां, मगर बहुत खुशहाली से नहीं, लेकिन अगर आप जागरूक और चेतन हैं तथा सृष्टि के स्रोत के साथ सीधे संपर्क में हैं, तो खुशहाली में जीवन जी सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

अलीबाबा के लिये अब बंद हो जा सिम-सिम

अरुण नैथानी

चीन में चोटी के अमीर लोगों में शुमार अलीबाबा कंपनी के अरबपति संस्थापक जैक मा की सार्वजनिक मंचों से गुमशुदगी पूरी दुनिया में सुर्खियों में है। पूरी दुनिया के सोशल मीडिया ट्विटर आदि में ये खबरें ट्रेंड कर रही हैं, लेकिन चीन के लोगों में शायद इसकी चर्चा कम हो। दरअसल, वहां सोशल साइट्स पर पहरा है और सूचना स्रोतों पर नियंत्रण। चार सौ अरब डॉलर की कंपनी अलीबाबा के संस्थापक जैक मा की जीरो से शिखर तक की कामयाबी पूरी दुनिया के युवा उद्यमियों को प्रेरित करती है। कभी केएफसी के 24 आवेदकों में 23 का चयन और जैक मा को ना कहा गया था। हॉवर्ड विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिये दस बार उनके आवेदन को नकारा गया था लेकिन आज वे एशिया के धनी लोगों में शुमार हैं। बहरहाल, अक्तूबर के बाद के महीनों में जैक मा की सार्वजनिक अनुपस्थिति कौतूहल का विषय बनी हुई है। लगता है गाहे-बगाहे चीन के जटिल तंत्र पर स्वतंत्र रूप से टिप्पणी करने वाले जैक मा साम्यवादी नायकों की आंखों में खटकने लगे हैं। जानकार बताते हैं कि कम्युनिस्ट व्यवस्था वाले चीन का यह चोटी का कारोबारी आखिरी बार एक कारोबारी फोरम में अक्तूबर में नजर आया था। वहीं अपने संबोधन में वित्तीय अनुशासन कायम करने वाले चीनी नियामकों पर उन्होंने सवालिया निशान लगाये थे। अनुमान है कि कालांतर उन्हें चीनी सत्ताधीशों का कोपभाजन बनना पड़ा। बताया जाता है कि प्रतिक्रिया स्वरूप उनके एंट ग्रुप फिनटेक आर्म के 37 अरब डॉलर के आईपीओ निलंबित किए गये हैं। दरअसल, चीनी वित्तीय तंत्र पर गाहे-बगाहे बेबाक टिप्पणी करने वाले जैक मा पर अब चीनी नियामकों की तिर्यक दृष्टि पड़ चुकी है। अलीबाबा कंपनी की विश्वसनीयता की जांच की जा रही है। इतना ही नहीं, उनकी कंपनी को कर्ज देने के प्रमुख कारोबार ऑनलाइन पेमेंट विभाग से अलग करने के आदेश भी मिले हैं। इस तरह शिंकजा कसने का नतीजा यह रहा कि बीते वर्ष में आखिर के कुछ महीने जैक के लिये कारोबारी झटका साबित हुए। करीब अस्सी हजार करोड़ रुपये से अधिक का उन्हें नुकसान हुआ। यह सब ऐसे समय पर हुआ जब वे 61.7 अरब डॉलर की दौलत के साथ चीन के सबसे अमीर बनने के करीब थे। दरअसल, असली संकट तब शुरू हुआ जब जैक मा की सबसे बड़ी डील में से एक ग्रुपो होर्मिगा के 34.4 अरब डॉलर के आईपीओ को चीनी वित्तीय नियामकों ने आखिरी वक्त पर झटका दे दिया। जिसे मा के पर कतरने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। वे लगातार चीनी सरकारी बैंकों की कार्यप्रणाली की आलोचना करते रहे हैं। उनकी बेबाक बयानी, निरंतर बढ़ता साम्राज्य, प्रतिष्ठा और प्रगति चीनी सत्ताधीशों को एक चुनौती के रूप में नजर आने लगी थी। दरअसल, जैक मा को किसी तिलिस्मी सुरंग में खुल जा सिम-सिम कह कर खजाना नहीं मिला। ये अथाह दौलत उनके पुरुषार्थ, नये विचारों को समय से पहले पकड़ने और उदार कारोबारी सिद्धांतों की देन है। इस मुकाम को हासिल करने के लिये उन्होंने कड़ी मेहनत की। एशिया के सबसे अमीर लोगों में शुमार जैक मा साम्यवादी चीनी व्यवस्था में एक विरोधाभासी प्रतीक के रूप में नजर आते हैं। वर्ष 2017 में उनकी संपत्ति भारतीय रक्षा बजट से दो हजार रुपये अधिक थी। लेकिन उनका संघर्ष एक आम आदमी के जैसा ही रहा। कई कंपनियों व विश्वविद्यालयों से निराश होकर उन्होंने अपना कारोबार शुरू किया। एक बात उनके दिमाग में थी कि अंग्रेजी सीखने से पूरी दुनिया में तरक्की के रास्ते खुल जाते हैं। वे विदेशी पर्यटकों के साथ गाइड बनकर जाते और बदले में उनसे अंग्रेजी सीखते। एक विदेशी पर्यटक ने उन्हें जैक नाम दिया। चीन के शिंजियांग प्रांत के हंग्जो में चीनी डांस परफॉर्मर दंपति के घर 1964 में जन्मे जैक का नाम मा यून था। दुबली-पतली काया के धनी जैक स्कूली जीवन में एक सामान्य छात्र थे। उन्होंने अपना लक्ष्य फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने में लगाया। फिर उन्होंने अंग्रेजी में स्नातक किया और एक अंग्रेजी सिखाने और अनुवाद का केंद्र खोलकर अंग्रेजी से चीनी और चीनी से अंग्रेजी अनुवाद का काम शुरू किया। यही वजह है कि कालांतर वे विश्व के राजनेताओं से बेहतर संवाद कर पाये। अमेरिकी प्रवास के दौरान उन्होंने इंटरनेट के तिलिस्म को महसूस किया और इसके जरिये ऑनलाइन कारोबार को शुरू किया। उन्होंने एक विश्वविद्यालय में अंग्रेजी पढ़ाई भी। वर्ष 1999 में जैक ने अपने अपार्टमेंट के 17 दोस्तों के साथ मिलकर ई-कॉमर्स वेबसाइट अली बाबा आरंभ की। अलीबाबा नाम इसलिये रखा कि दुनिया में तमाम लोग इस नाम से परिचित थे। फिर से पेमेंट वेबसाइट को जोड़ा गया। इसकी अली पे सर्विस से 80 करोड़ से अधिक यूजर जुड़े। अलीबाबा की कंपनी से दुनियाभर के लोग कारोबार कर सकते हैं। उनके अभिनव प्रयोगों की कड़ी में चीन में मनाये जाने वाले 'सिंग्लस डे' पर कंपनी बड़ी भारी छूट देती है। वर्ष 2017 में कंपनी ने इस दिन 27 अरब डॉलर का कारोबार किया। उनकी सोच है कि सबसे अच्छे बिजनेस का प्लान यह है कि कोई प्लान न हो। अब वे समाज सेवा में योगदान करने व एक शिक्षक की भूमिका निभाना चाहते हैं। वे मार्शल आर्ट के भी बड़े शौकीन हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया सात पैसे सुधरकर 73.24 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ

मुंबई: घरेलू शेयर बाजार में भारी तेजी को देखते हुए रुपए में सुधार रहा और यह विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को अपने दिन के निम्नतम स्तर से उबरते हुए अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले सात पैसे बढ़कर 73.24 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया सुस्ती का रुख लिए खुला और सत्र के दौरान 73.45 रुपए के दिन के निम्नतम स्तर को छू गया लेकिन बाद में रुपए की आरंभिक हानि लुप्त हो गई और अंत में रुपया 73.24 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ। सत्र के अधिकांश हिस्से में रुपए पर निरंतर दबाव रहा। विश्व की अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के मजबूत होने और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से सत्र के अधिकांश हिस्से में रुपए पर दबाव रहा और इसके लाभ पर कुछ अंकुश लग गया। बृहस्पतिवार को रुपया 20 पैसे गिरकर 73.31 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह मुद्राओं की तुलना में डॉलर का रुख दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत बढ़कर 89.93 हो गया। स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को 382.30 करोड़ रुपए के शेयरों की खरीद की। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल का मानक माने जाने वाले ब्रेंट कच्चा तेल वायदा की कीमत 0.31 प्रतिशत बढ़कर 54.69 डॉलर प्रति बैरल पर चल रही थी। तीस शेयरों पर आधारित बंबई शेयर बाजार 689.19 अंक की तेजी के साथ रिकार्ड 48,782.51 अंक पर बंद हुआ।

लेनोवो ने लेटेस्ट इंटेल चिप के साथ भारत में योगा लैपटॉप को किया लॉन्च

नई दिल्ली। लेनोवो ने शुक्रवार को भारतीय बाजारों में अपने योगा 7आई और योगा 9आई लैपटॉप को लॉन्च किए जाने की घोषणा की, जो इंटेल के हालिया 11वीं पीढ़ी के टाइगर लेक प्रोसेसर द्वारा संचालित होगा। योगा 7आई और योगा 9आई की शुरूआती कीमत क्रमशः 99,000 और 1,69,990 बताई गई है। कंपनी ने कहा है कि योगा 7आई और योगा 9आई इस वक्त लेनोवो डॉट कॉम पर प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध हैं और विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर 12 और 15 जनवरी से इसकी बिक्री शुरू होने वाली है। लेनोवो इंडिया में उपभोक्ता पीसीएसडी मामलों के कार्यकारी निदेशक शैलेंद्र कत्याल ने अपने एक बयान में कहा, यह नई सीरीज इंटेल के हालिया 11वीं पीढ़ी के टाइगर लेक प्रोसेसर द्वारा संचालित है, जिसकी स्टाइलिंग काफी बेहतरीन है और यह एआई सक्षम सुविधाओं से लैस है। योगा 7आई में इंटेल आईरिस एक्सई ग्राफिक्स को शामिल किया गया है। इसे आरामदेय बनाने के लिए इसके किनारों को घुमावदार बनाया है। इसके चारों ओर संकीर्ण बेजल डिजाइन हैं, जो 88 फीसदी एक्टिव एरिया रेशियो प्रदान करता है। कंपनी ने दावा किया है कि टेबलेट से लैपटॉप मोड में तब्दील करने के दौरान स्थिरता के लिए इसे 360 डिग्री तक मोड़ा जा सकता है। इसमें चार्ज भी काफी फास्ट होता है और बेहतर कूलिंग की भी सुविधा है, जिससे इसकी बैटरी 16 घंटे तक का बैकअप देने में सक्षम है। योगा 7आई में डॉल्बी एटमॉस स्पीकर सिस्टम और स्मार्ट असिस्ट के साथ बॉयोमीट्रिक प्रमाणीकरण और टूब्लॉक प्राइवेसी शटर भी है। कंपनी के मुताबिक, योगा 9आई में लॉगिन के अधिक बेहतरीन अनुभव के लिए अल्ट्रासॉनिक फिंगरप्रिंट रीडर को शामिल किया गया। इसके स्मार्ट सेंसर टचपैड की मदद से एक्टिव सरफेस एरिया में 50 प्रतिशत अधिक तेजी के साथ क्लिक किया जा सकेगा, जिसमें कि क्लिक करने के दौरान वाइब्रेशन होगा और इसमें पुन डिजाइन किया गया ट्रूट्राइक कीबोर्ड दिन भर की टाइपिंग को आरामदेय बनाता है।

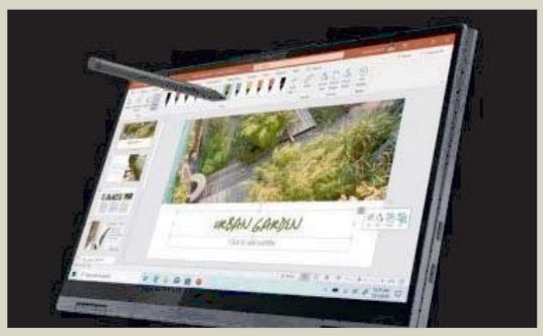

बाजार में तेजी लौटी, नए शिखर पर सेंसेक्स और निफ्टी

मुंबई:

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच आईटी, टेक और ऑटो समूहों में जोरदार लिवाली से घरेलू शेयर बाजार दो दिन की तेजी से उबरने में कामयाब रहे और बीएसई का सेंसेक्स तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी करीब डेढ़ प्रतिशत उछलकर नए शिखर पर बंद हुए। सेंसेक्स 689.19 अंक यानी 1.43 प्रतिशत की बढ़त में 48,782.51 अंक पर तथा निफ्टी 209.90 अंक यानी 1.48 प्रतिशत की छलांग लगाकर 14,347.25 अंक पर बंद हुआ। यह दोनों प्रमुख सूचकांकों का ऐतिहासिक उच्चतम स्तर है। चौतरफा लिवाली के बीच आईटी, टेक और ऑटो समूहों के सूचकांक बीएसई में तीन फीसदी से अधिक चढ़े। धातु और दूरसंचार को छोड़कर अन्य सभी समूह हरे निशान में रहे। मझौली और छोटी कंपनियों में भी निवेशकों ने पैसा लगाया। बीएसई का मिडकैप 1.01 प्रतिशत चढ़कर पहली बार 19 हजार अंक से ऊपर 19,138.72 अंक पर और स्मॉलकैप 0.72 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,908.59 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में मारुति सुजुकी का शेयर छह प्रतिशत के करीब चढ़ा। टेक महिंद्रा में साढ़े पांच प्रतिशत, इंफोसिस में चार प्रतिशत और अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा तथा पावरग्रिड में साढ़े तीन प्रतिशत की तेजी रही। इंडसइंड बैंक का शेयर डेढ़ फीसदी और भारती एयरटेल का एक प्रतिशत के करीब टूटा। अधिकतर प्रमुख विदेशी बाजार हरे निशान में रहे। एशिया में दक्षिण कोरिया का कोस्पी 3.97 प्रतिशत, जापान का निक्की 2.36 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसेंग 1.20 प्रतिशत की तेजी में रहा। हालांकि चीन का शंघाई कंपोजिट 0.17 प्रतिशत की गिरावट में बंद हुआ। यूरोप में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.67 फीसदी और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.02 प्रतिशत चढ़ा।

विदेशी मुद्रा भंडार 585 अरब डॉलर के पार

मुंबई:

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 01 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 4.48 अरब डॉलर बढ़कर 585.32 अरब डॉलर के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले 25 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में यह 29 करोड़ डॉलर घटकर 580.84 अरब डॉलर रह गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 01 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 4.17 अरब डॉलर बढ़कर 541.64 अरब डॉलर पर पहुंच गई। इस दौरान स्वर्ण भंडार भी 31.5 करोड़ डॉलर की बढ़त के साथ 37.03 अरब डॉलर पर रहा। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 5.15 अरब डॉलर और विशेष आहरण अधिकार 1.51 अरब डॉलर पर स्थिर रहा।

HDFC बैंक के पूर्व एमडी आदित्य पुरी स्ट्राइड्स समूह से जुड़े

नई दिल्ली: एचडीएफसी बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक आदित्य पुरी वैश्विक दवा फर्म स्ट्राइड्स समूह में एक सलाहकार के रूप में शामिल हुए हैं और वह इसकी सहयोगी कंपनी स्टेलिस बायोफार्मा के निदेशक के रूप में भी काम करेंगे। स्ट्राइड्स फार्मा साइंस लिमिटेड ने शेयर बाजार को बताया, ''जानीमानी कॉरपोरेट शख्सियत आदित्य पुरी एक सलाहकार के रूप में स्ट्राइड्स समूह में शामिल हुए हैं और वह इसकी सहयोगी कंपनी स्टेलिस बायोफार्मा के निदेशक भी होंगे।'' स्ट्राइड्स फार्मा साइंस ने कहा कि स्टेलिस बोर्ड में पुरी की नियुक्ति कंपनी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। पुरी ने एचडीएफसी बैंक की स्थापना के बाद से 25 साल तक बैंक का नेतृत्व किया और अक्टूबर 2020 में सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने एक बेहद सफल कैरियर के दौरान एचडीएफसी को निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा बैंक बना दिया।

जीडीपी अनुमान पर नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने कहा, उद्योगों में अब दिख रहा है सुधार

नेशनल डेस्क।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा है कि उद्योगों में अब सुधार दिख रहा है और सरकार के राजकोषीय उपायों से कोविड-19 महामारी के प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी। कुमार ने राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी राष्ट्रीय आय के पहले अग्रिम अनुमानों पर अपनी प्रतिक्रिया में शुक्रवार को यह बात कही। एनएसओ ने बृहस्पतिवार को चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.7 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया है।

उद्योगों में अब दिख रहा है सुधार

कुमार ने ट्वीट किया, 'पहले अग्रिम अनुमान में अर्थव्यवस्था में 7.7 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया गया है। हालांकि, उद्योगों में अब सुधार दिख रहा है।' उन्होंने कहा कि सरकार ने जो वित्तीय उपाय किए हैं उनसे महामारी के प्रभाव को कम किया जा सकेगा और 2020-21 में 134.40 लाख करोड़ रुपये का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) हासिल किया जा सकेगा। अग्रिम अनुमान के अनुसार चालू वित्त वर्ष में कृषि को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रों में गिरावट आने का अनुमान है। एनएसओ के अनुसार, 'वर्ष 2020-21 में 2011-12 के स्थिर मूल्यों पर वास्तविक जीडीपी 134.40 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

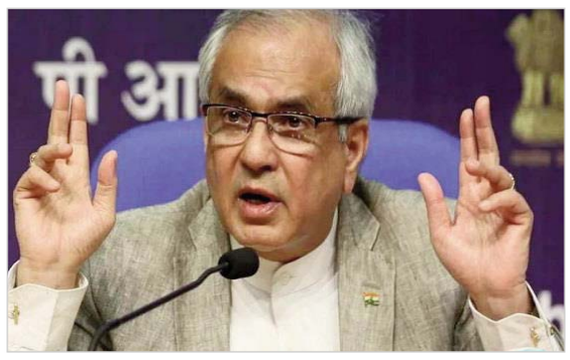

2020-21 में जीडीपी में 7.7 प्रतिशत की गिरावट आएगी

वहीं वर्ष 2019-20 में जीडीपी का प्रारम्भिक अनुमान 145.66 लाख करोड़ रुपये रहा है। इस लिहाज से 2020-21 में जीडीपी में 7.7 प्रतिशत की गिरावट आएगी जबकि इससे पिछले साल (2019- 20) में जीडीपी में 4.2 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई थी। चालू वित्त वर्ष में विनिर्माण क्षेत्र में 9.4 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है। वहीं 2019-20 में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर लगभग स्थिर (0.03 प्रतिशत) रही थी। एनएसओ का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में खनन और संबद्ध क्षेत्रों तथा व्यापार, होटल, परिवहन, संचार और प्रसारण से संबंधित सेवाओं में क्रमशः 12.4 प्रतिशत और 21.4 प्रतिशत की गिरावट आएगी। इसी तरह निर्माण क्षेत्र में भी 12.6 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है।

रक्षा और अन्य सेवाओं में 3.7 प्रतिशत की गिरावट

आंकड़ों के अनुसार लोक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाओं में 3.7 प्रतिशत की गिरावट आएगी। वहीं वित्तीय, रियल एस्टेट और पेशेवर सेवाओं में 0.8 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है। हालांकि, 2020-21 में कृषि, वन और मत्स्यपालन की वृद्धि दर 3.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है जबकि 2019-20 में इस क्षेत्र की वृद्धि दर 4 प्रतिशत रही थी।

आईएचएस मार्किट का अनुमान, अगले वित्त वर्ष में 8.9प्रतिशत की दर से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली:

भारतीय अर्थव्यवस्था अगले वित्त वर्ष 2021-22 में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेगी। आईएचएस मार्किट ने यह अनुमान लगाया है। आईएचएस मार्किट ने शुक्रवार को जारी नोट में कहा है कि आखिरी तिमाही में आर्थिक गतिविधियों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। ऐसे में अप्रैल, 2021 से शुरू हो रहे वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छी वृद्धि दर्ज करेगी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने बृहस्पतिवार को अनुमान लगाया है कि चालू वित्त वर्ष 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.7 प्रतिशत की गिरावट आएगी। आईएचएस मार्किट के नोट में कहा गया है, ''2020 में भारतीय अर्थव्यवस्था में जबर्दस्त मंदी रही। अर्थव्यवस्था में सबसे अधिक गिरावट मार्च से लेकर अगस्त तक रही। सितंबर से आर्थिक गतिविधियां सुधर रही हैं।'' चालू वित्त वर्ष की पहली अप्रैल-जून तिमाही में अर्थव्यवस्था में 23.9 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आई। दूसरी जुलाई-सितंबर की तिमाही में अर्थव्यवस्था की गिरावट कम होकर 7.5 प्रतिशत रह गई। आईएचएस मार्किट ने कहा, ''2020 की चौथी तिमाही में भारत का औद्योगिक उत्पादन और उपभोग व्यय सुधरा है।'' नोट में कहा गया है, ''अक्टूबर के आंकड़ों से पता चलता है कि माह के दौरान सालाना आधार पर औद्योगिक उत्पादन 3.6 प्रतिशत बढ़ा जबकि अप्रैल, 2020 में औद्योगिक उत्पादन में 55.5 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आई थी।'' आईएचएस मार्किट ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। कोविड-19 अंकुशों में ढील के बाद दिसंबर के दौरान कारखाना ऑर्डर बढ़े हैं। नोट में कहा गया है कि भारत के समक्षप अपनी 1.4 अरब आबादी के टीकाकरण की बड़ी चुनौती है। भारत में कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम जल्द शुरू होने जा रहा है। स्वास्थ्य नियामक ने ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन के आपात इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। भारत के लिए बड़ी लाभ की स्थिति यह है कि ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका टीके का उत्पादन देश में ही सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा किया जा रहा है। सीरम इंस्टिट्यूट ने कहा है कि वह अप्रैल, 2021 तक इस टीके की 10 करोड़ खुराक का उत्पादन कर सकेगी। आईएचएस मार्किट ने कहा, ''भारतीय अर्थव्यवस्था में चौथी तिमाही में आर्थिक गतिविधियों में पहले ही उल्लेखनीय सुधार दिख रहा है। ऐसे में 2021-22 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 8.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 195.21 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली: देश के प्रमुख शेयर बाजार बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण शुक्रवार को शुरुआती कारोबार के दौरान बढ़कर अब तक के उच्चतम स्तर 195.21 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। बाजार में दो दिनों की गिरावट के बाद एक बार फिर तेजी के रुख के चलते यह बढ़त हुई। शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी के चलते बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 1,95,21,653.40 करोड़ रुपए हो गया। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 471.31 अंक बढ़कर 48,564.63 के स्तर पर था। पिछले साल सेंसेक्स में 15.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई थी, जबकि इस दौरान बाजार में जोरदार गिरावट और जोरदार तेजी, दोनों देखने को मिली।

सस्ते में हवाई सफर का मौका, Vistara ने पेश किया ये धांसू ऑफर

बिजनेस डेस्क:

टाटा ग्रुप की स्वामित्व वाली एयरलाइंस कंपनी विस्तारा अपनी स्थापना के 6 साल पूरे होने पर यात्रियों के लिए शानदार डिस्काउंट ऑफर्स लेकर आई है। अपनी छठी सालगिरह पर कंपनी हवाई यात्रियों के लिए खास ऑफर द ग्रैंड सिक्स्थ एनिवर्सरी सेल लेकर आई है। इस ऑफर के तहत यात्रियों को डोमेस्टिक फ्लाइट के इकोनॉमी क्लास में सिर्फ 1299 रुपए से देशभर में यात्राओं के लिए हवाई टिकट बुक कराने का मौका मिलेगा। वहीं, प्रीमियम इकोनॉमी की टिकट बुकिंग रेट्स 2099 रुपए और बिजनेस क्लास की बुकिंग रेट्स 5999 रुपए से शुरू होती है।

25 फरवरी से 30 सितंबर के बीच कर सकेंगे यात्रा

हालांकि, इस ऑफर के तहत यात्री केवल आज और कल यानी 8 और 9 जनवरी को ही टिकट बुक करके ऑफर का लाभ उठा सकते हैं। इस ऑफर के तहत यात्री कम कीमतों पर 25 फरवरी से 30 सितंबर के बीच देश में यात्रा करने के लिए टिकट बुक कर सकते हैं। इस ऑफर के तहत 8 जनवरी 2021 को 00:01 बजे से लेकर 9 जनवरी 2021 की रात 23:59 बजे तक हवाई टिकट बुकिंग करा सकेंगे। विस्तारा की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, इस ऑफर पर ब्लैकआउट डेट्स अप्लाई होगा। ब्लैकआउट डेट्स का मतलब ऐसे दिन होते हैं, जिस दिन यात्रियों की भारी संख्या के चलते किसी भी प्रकार के ऑफर उपलब्ध नहीं होते हैं। एयलाइंस के इस ऑफर के मुताबिक, बगडोगरा से डिब्रूगढ़ का इकोनॉमी फेयर 1496 रुपए, प्रीमियम इकोनॉमी फेयर 2099 रुपए और बिजनस क्लास फेयर 5999 रुपए से शुरू है।

इन रूट्स भी सस्ता मिलेगा टिकट

वहीं, दिल्ली से लखनऊ के लिए इकोनॉमी क्लास का किराया 1846 रुपए, प्रीमियम क्लास का किराया 3096 रुपए और बिजनस क्लास का किराया 11,666 रुपए से शुरू है। अहमदाबाद से मुंबई का इकोनॉमी क्लास फेयर 1866 रुपए, प्रीमियम इकोनॉमी फेयर 2946 रुपए और बिजनस क्लास फेयर 12966 रुपए से शुरू है।

SBI ने दी आवास ऋण की दरों में छूट, प्रोसेसिंग फीस पूरी तरह माफ

मुंबई:

भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने शुक्रवार को आवास ऋण की दरों पर 0.30 प्रतिशत तक छूट देने और प्रोसेसिंग फीस को पूरी तरह माफ करने की घोषणा की। बैंक द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि आवास ऋण पर नई ब्याज दरें सिबिल स्कोर से जुड़ी हुई हैं और 30 लाख रुपए तक के ऋण के लिए 6.80 प्रतिशत से शुरू हैं, जबकि 30 लाख रुपए से अधिक के ऋण के लिए ब्याज दर 6.95 प्रतिशत से शुरू होगी। बैंक ने बताया कि महिला कर्जदारों को 0.05 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट मिलेगी। विज्ञप्ति के मुताबिक, ''घर खरीदारों को आकर्षक रियायत देने के मकसद से, देश के सबसे बड़े ऋणदाता एसबीआई ने आवास ऋण पर 30 बीपीएस (0.30 प्रतिशत) की छूट और प्रोसेसिंग फीस पर 100 प्रतिशत छूट देने की घोषणा की है।'' बैंक ने कहा कि पांच करोड़ रुपए तक के ऋण के लिए आठ महानगरों में 0.30 प्रतिशत तक की ब्याज रियायत भी उपलब्ध है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि ग्राहक योनो ऐप के माध्यम से घर बैठे आसानी से आवेदन कर सकते हैं और 0.05 प्रतिशत की अतिरिक्त ब्याज राहत पा सकते हैं।

बैंक के प्रबंध निदेशक (खुदरा और डिजिटल बैंकिंग) सी एस सेट्टी ने कहा, ''हमें मार्च 2021 तक अपने संभावित आवास ऋण ग्राहकों के लिए छूट बढ़ाने की खुशी है।''

SBI और IOC ने लॉन्च किया खास रूपे डेबिट कार्ड, पेट्रोल पंपों पर ईंधन भरवाने पर मिलेगा इतना लाभ

बिजनेस डेस्क:

भारतीय स्टेट बैंक (SBI) और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (IOC) ने मिलकर एक कांटेक्ट लेस co-brand रूपे डेबिट कार्ड पेश किया। बैंक ने बयान में कहा गया है कि देशभर के ग्राहक स्थानीय एसबीआई शाखा में जाकर यह कार्ड ले सकते हैं। यह एक टचफी कार्ड है और इसमें 5,000 रुपए तक का पेमेंट कार्ड को 'टैप' करने के साथ किया जा सकता है। एसबीआई के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने कहा, ''हमारा मानना है कि 'टैप एंड पे' प्रौद्योगिकी के साथ यह सह-ब्रांड वाला कार्ड कई आकर्षक फायदा और पेशकश उपलब्ध कराएगा। कार्ड धारकों को इससे ईंधन की खरीद पर अच्छा अनुभव होगा।'' उन्होंने कहा कि सुरक्षित और सुविधाजनक संपर्करहित भुगतान के जरिए यह कार्ड ग्राहकों की रोजाना की खरीदारी को भी सुगम बनाएगा। इस कार्ड के जरिए इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंपों से ईंधन खरीदने पर कार्डधारकों को 0.75 प्रतिशत लॉयल्टी अंक मिलेंगे। कार्ड के जरिए ईंधन की मासिक खरीद की कोई सीमा नहीं है।

कैशलेस पेमेंट का मिलेगा फायदा

इंडियन ऑयल के अध्यक्ष श्रीकांत माधव वैद्य ने कहा, ÷हमें अपने साथी नागरिकों के लिए अनूठी सुविधा लाने के लिए एसबीआई के साथ साझेदारी करने पर गर्व है। यह पावर-पैक्ड कार्ड देश भर में इंडियन ऑयल और एसबीआई की अद्वितीय पहुंच का समर्थन करता है। इस मौजूदा महामारी की स्थिति में ग्राहकों के लिए नकद रहित और परेशानी रहित भुगतान का विकल्प चुनने के लिए यह भुगतान का एक आदर्श तरीका होगा।

30,000 पेट्रोल पम्प पर मिलेगा फायदा

उन्होंने कहा कि इंडियन ऑयल लगभग 30,000 पेट्रोल पम्प का विशाल नेटवर्क है जो **credit/debit card/wallet payments** भुगतान स्वीकार करने में सक्षम हैं। यह पहल डिजिटल भुगतान को और भी बढ़ावा देगी तथा सरकार के डिजिटल इंडिया विज़न को आगे बढ़ाएगी।

मिनी एलईडी के साथ मैकबुक एयर को 2022 में किया जाएगा रिलीज : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

एप्पल इस साल अपने डिवाइसों में मिनी-एलईडी डिस्प्ले को इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है और अब एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मिनी-एलईडी मैकबुक एयर को साल 2022 में लॉन्च किया जा सकता है।

डिजीटाइम्स के मुताबिक, सूत्रों को उम्मीद है कि एप्पल के 11 इंच और 12.9 इंच के आईपैड प्रो और 16 इंच के मैकबुक प्रो को 2021 में ही रिलीज कर दिया जाएगा, जो कि मिनी-एलईडी डिस्प्ले से लैस होगा और कंपनी द्वारा 2022 में अपने मैकबुक एयर के उत्पादों में भी मिनी-एलईडी के इस्तेमाल की संभावना है। एप्पल एनालिस्ट मिंग-ची कुओ का मानना है कि एप्पल साल 2021 में आईपैड प्रो के मॉडलों को जारी करेगा और इसके द्वारा मैकबुक प्रो को भी री-डिजाइन किया जाएगा, जिसके तहत साल 2022 में नए मैकबुक एयर को पेश किया जाएगा, जो कि मिनी-एलईडी डिस्प्ले और एप्पल सिलिकॉन चिप से लैस होगा। साल की दूसरी या तीसरी तिमाही में इसे लॉन्च किए जाने की उम्मीद जताई जा रही है, जिसमें एप्पल सिलिकॉन चिप के होने की संभावना बहुत अधिक है। मिनी-एलईडी तकनीक को एलसीडी और एलईडी के बीच का माना जा रहा है, जिसमें दोनों ही प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाया जाएगा, यानि कि इसका उत्पादन काफी सस्ता होगा, कॉन्ट्रास्ट में सुधार होगा, ब्राइटनेस भी अधिक होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी-10 क्रिकेट को ओलम्पिक में देखना पसंद करूंगा : गेल

अबू धाबी। वेस्टइंडीज के अनुभवी बल्लेबाज क्रिस गेल ने कहा है कि वह क्रिकेट के टी-10 प्रारूप को ओलम्पिक में देखना पसंद करेंगे। गेल ने जमैका से अपने घर से बात करते हुए कहा, मैं निश्चित तौर पर टी-10 को ओलम्पिक में देखना पसंद करूंगा। आम नजरिए से यह क्रिकेट के लिए बड़ी बात होगी। मुझे लगता है कि टी-10 अमेरिका में आयोजित किया जा सकता है क्योंकि यह बड़ा मंच है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि काफी लोग अमेरिका को क्रिकेट के लिए नहीं जानते हैं, लेकिन टी-10 अमेरिका में आयोजित कराने के लिए काफी उपयुक्त है। गेल टी-10 लीग के आने वाले संस्करण में टीम अबू धाबी से खेलेंगे। लीग की शुरुआत 28 जनवरी से हो रही है। टूर्नामेंट छह फरवरी तक चलेगा। गेल ने कहा, पहले तो, मैं यह कहना चाहता हूं कि वापसी करना शानदार है। मैंने पिछले दो सीजन नहीं खेले थे। इसलिए टी-10 में वापसी करना अच्छा है। कई सारे प्रतिभाशाली खिलाड़ी इसमें खेलेंगे।

सिडनी टेस्ट

स्मिथ, गिल, जडेजा के नाम रहा दूसरा दिन, भारत अच्छी स्थिति में

सिडनी।

यहां सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच का दूसरा दिन शुक्रवार मेजबान टीम के स्टीव स्मिथ, भारत के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल और स्पिनर रवींद्र जडेजा के नाम रहा। स्मिथ की संकेट के समय खेली गई 131 रनों की पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में 338 रन बना पाने मे सफल रही। जडेजा ने चार विकेट ले कर ऑस्ट्रेलिया का बड़ा स्कोर मुमकिन नहीं होने दिया। स्मिथ हालांकि अपना शतक पूरा करने के साथ-साथ टीम को सम्मानजनक स्कोर दिलाने में सफल रहे। स्मिथ का यह भारत के खिलाफ आठवां और कुल 27वां टेस्ट शतक है। ऑस्ट्रेलियाई स्कोर के सामने अपनी पहली पारी खेलने उतरी भारत ने दिन का अंत दो विकेट के नुकसान पर 96 रनों के साथ किया। इस स्कोर में से 50 रन युवा बल्लेबाज गिल के हैं। स्टम्प्स की घोषणा तक चेतेश्वर पुजारा नौ और अजिंक्य राहणे पांच रन बनाकर खेल रहे हैं। अपनी पहली पारी खेलने उतरी भारत को पहली बार इस सीरीज में मजबूत शुरुआत मिली। गिल और रोहित शर्मा ने पहले विकेट के लिए 70 रन जोड़े। दोनों बल्लेबाज बड़ी आसानी से रन बना रहे थे। रोहित के रूप में भारत ने अपना पहला विकेट खोया। रोहित ने जोश हेजलवुड की गेंद को सीधे मारा जिसे होजलवुड ने कैच कर लिया। रोहित ने 77 गेंदों पर तीन चौके और एक छक्के के साथ 26 रन बनाए। गिल ने अपनी पारी जारी रखी। उन्होंने नाथन लॉयन की गेंद पर स्कावयर लेग पर एक रन ले कर 31.3 ओवर में अपना पहला टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। अपना दूसरा टेस्ट मैच खेल रहे गिल हालांकि इसके बाद अगले ही ओवर में पैट कमिंस का शिकार हो गए। कमिंस की ऑफ स्टम्प के बाहर की गेंद को गिल ने गली की तरफ खेला जहां कैमरून ग्रीन ने उनका शानदार कैच लपका। गिल ने अपनी पारी में 101 गेंदों पर आठ चौके मारे। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत दो विकेट के नुकसान पर 166 रनों के साथ की। टीम ने दूसरे दिन अपने स्कोर में 172 रन जोड़े। लाबुशैन 67 और स्मिथ ने 31 रनों से अपनी पारी शुरू की। लाबुशैन भारत के खिलाफ अपना पहला शतक नहीं जमा सके। जडेजा ने लाबुशैन को कप्तान अजिंक्य रहाणे के हाथों कैच कराया। लाबुशैन ने अपनी पारी में 196 गेंदें खेलीं और 11 चौके मारे। लाबुशैन के जाने के बाद स्मिथ को कोई विकेट पर खड़ा होने वाला बल्लेबाज नहीं मिला। मैथ्यू वेड (13) को भी जडेजा ने आउट किया और ग्रीन को बुमराह ने पवेलियन की राह दिखाई। ग्रीन 21 गेंदें खेलने के बाद भी खाता नहीं खोल पाए। दिन के पहले सत्र में ऑस्ट्रेलिया ने यही तीन विकेट खोए। दूसरे सत्र में बुमराह ने आस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन को भी बिना खाता खोले ड्रेसिंग रूम भेज दिया। स्मिथ अकेले लड़ रहे थे। पैट कमिंस भी बिना रन बनाए जडेजा का शिकार बने। मिशेल स्टार्क ने जरूर कुछ अच्छे शॉट्स लगा कर 30 गेंदों पर 24 रन बनाए। स्मिथ के साथ उन्होंने 32 रन जोड़े जिसमें से सिर्फ आठ स्मिथ के थे। नवदीप सैनी ने 310 के कुल स्कोर पर स्टार्क की छोटी लेकिन अहम पारी का अंत किया। इस बीच स्मिथ ने अपना शतक पूरा कर लिया।

टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज - हरिकृष्णा करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

विज्क ऑन ज़ी (निकलेश जैन) कोविड भले ही अभी भी हम सबकी ज़िंदगी मे अभी भी बना हुआ है पर इसकी वजह से रद्द हुए दुनिया भर के बड़े खेल आयोजन अब इसका सामना करते हुए पटरी पर लौटने लगे है कुछ पूरी तरह तो कुछ सांकेतिक तौर पर । खैर खबर ये है की वर्ष के सबसे बड़े सुपर ग्रांड मास्टर मुक़ाबले टाटा स्टील मास्टर्स का आयोजन भी होना तय कर दिया गया है और कभी विज्क आन जी के नाम से पहचाने जाने वाले इस शतरंज आयोजन का यह 83 वां संसकरण होगा । भारतीय शतरंज प्रेमियों के लिए अच्छी खबर यह है की भारत के ग्रांड मास्टर पेंटाला हरीकृष्णा इसमें भाग लेने जा रहे है इससे पहले वह वर्ष 2017 मे इस आयोजन का हिस्सा रह चुके है । प्रतियोगिता 15 जनवरी से 31 जनवरी तक चलेगा । ऑन द बोर्ड क्लासिकल शतरंज मे यह कोविड के बाद दूसरा सबसे बड़ा सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट होगा । हरिकृष्णा के अलावा विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन , विश्व नंबर 2 अमेरिका के फबियानों करूआना ,विश्व नंबर चार रूस के इयान नेपोनियची , विश्व नंबर 5 फ्रांस के मकसीम लागरेव , विश्व नंबर 11 नीदरलैंड के अनीश गिरि ,विश्व नंबर 18 फीडे के अलीरेजा फिरौजा ,विश्व नंबर 19 पोलैंड के जान डुड़ा , विश्व विश्व नंबर 37 रूस के डेनियल डुबोव ,रूस के आन्द्रे एसीपेंकों और नीदरलैंड के जॉर्डन वान जैसे युवा तो स्पेन के डेविड अंटोन जैसे अनुभवी खिलाड़ी को भी शामिल किया गया है इसके बाद दो उभरती प्रतिभा उज्बेक्सितान के नोरदिरबेक और नॉर्वे के आर्यन तारी को भी शामिल किया गया है ।

फॉर्मेट - पहली 40 चालों के लिए 100 मिनट फिर अगली 20 चालों के लिए 50 मिनट और फिर बाकी बचे मैच के लिए 15 मिनट दिये जाएँगे और इस दौरान पहली चाल से ही 30 सेकंड प्रति चाल शामिल होंगे । इस तरह यह पूर्ण क्लासिकल मुक़ाबला खेल के स्तर को काफी ऊंचा उठा देगा जहां हमें शानदार मुक़ाबले देखने को मिलेंगे ।

पेशेवर टेनिस खिलाड़ी यासत्रेमस्का डोपिंग के लिए अस्थाई रूप से निलंबित

लंदन = दुनिया की शीर्ष 30 पेशेवर टेनिस खिलाड़ियों में शामिल डायना यासत्रेमस्का को प्रतियोगिता के इतर डोपिंग परीक्षण में विफल रहने के बाद अस्थाई रूप से निलंबित कर दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। आईटीएफ ने कहा कि युक्रेन की 20 साल की डायना मेस्टरोलोन मेटाबोलाइट के लिए पॉजिटिव पाई गई है जो प्रतिबंधित पदार्थ है और इसका इस्तेमाल टेस्टोस्टेरोन के स्तर को बढ़ाने के लिए किया जाता है। दुनिया की 29वें नंबर की खिलाड़ी डायना ने अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखा कि वह इस घटना से स्तब्ध हैं। डायना ने ट्वीट किया, 'मैं कहना चाहता हूं कि मैंने कभी शक्तिवर्धक या प्रतिबंधित पदार्थ का इस्तेमाल नहीं किया।%

आईएसएल-7 : ईस्ट बंगाल के खिलाफ अपना भाग्य बदलना चाहेगा बेंगलुरु

आईएसएल-7 :

ईस्ट बंगाल के खिलाफ अपना भाग्य बदलना चाहेगा बेंगलुरुफातोर्दा (गोवा), 8 जनवरी (आईएएनएस)। पूर्व चैम्पियन बेंगलुरु एफसी के लिए हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में चीजें शायद अब तक सही नहीं रही है। बेंगलुरु एफसी आईएसएल के इतिहास में पहली बार हार की हैट्रिक लगा चुकी है और इस परिणाम के बाद अब वह अपने मुख्य कोच कार्ल्स कुआड्रॉर्ट से भी अलग हो चुकी है। बेंगलुरु एफसी के अंतरिम कोच नौशाद मूसा को हालांकि उम्मीद है कि उनकी टीम शनिवार को फातोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में ईस्ट बंगाल के खिलाफ होने वाले अपने अगले मैच में वापसी करेगी और जीत की पटरी पर लौटेगी। मूसा ने कहा, हमारे पास कल (शनिवार) को एक महत्वपूर्ण मैच है। खिलाड़ी इसे जानते हैं। पिछले सात साल में यह पहली बार हुआ है कि हम लगातार तीन मैच हारे हैं। इन्हें स्वीकार करना आसान नहीं है। वे वापसी करना चाहते हैं और अब हमें सब कुछ पीछे छोड़कर अगले मैच पर ध्यान केंद्रित करना होगा। ईस्ट बंगाल की टीम पिछले चार मैचों से अजेय चल रही है और मूसा को लगता है कि यह काफी दिलचस्प मुकाबला होगा। उन्होंने कहा, ईस्ट बंगाल एक अच्छी टीम है। वे बेहतर हो रहे हैं। ब्राइट (इनोबाखेर) एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। हम अधिक मनोरंजक फुटबाल खेलेंगे। हम आपको इसका विश्वास दिला सकते हैं। हमारे पास कम ही क्लीन शीट है। हमारा ध्यान शुरुआत में गोल नहीं खाने पर है। इस सीजन में बेंगलुरू एफसी ने कुआड्रॉर्ट के मार्गदर्शन में कम गोल खाए थे, लेकिन पिछले कुछ मैचों से इसमें इजाफा देखने को मिला है। टीम ने पिछले नौ मैचों में केवल तीन मैच जीते हैं और 12 गोल खाएं हैं। मूसा ने कहा, यह एक हिस्सा है जिस पर हम काम कर रहे हैं (ज्यादा गोल नहीं कर रहे हैं)। हमने सभी वीडियो देखें हैं। हमें

लगता कि हम कम अटैकिंग कर रहे थे। हमें गोल करने के लिए और मौके बनाने होंगे। दूसरी तरफ, ईस्ट बंगाल ने अपने पिछले मैच में 10 खिलाड़ियों से खेलने के बावजूद एफसी गोवा को ड्रॉ पर रोका था। ब्राइट इनोबाखेर अपनी टीम के लिए दो मैचों में अब तक दो गोल कर चुके हैं और उम्मीद है कि वह अगले मैच में भी इसे जारी रखेंगे। ब्राइट ने कहा, मेरे लिए यह एक अच्छा समय है। खिलाड़ी और स्टाफ अदभुत है। हमें केवल अगले मैच पर ध्यान देना होगा और अधिक से अधिक लेने की कोशिश करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

टेनिस : टॉमी पॉल और सैम क्वेरी की डेलरे बीच में आसान जीत

डेलरे बीच (अमेरिका) । टॉमी पॉल ने अपने घरेलू कोर्ट का पूरा फायदा उठाकर डेलरे बीच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में दक्षिण कोरिया के जी सुंग नाम को 6-1, 6-4 से हराया। डेलरे बीच में रहने वाले पॉल विश्व रैंकिंग में 52वें नंबर पर हैं। उन्हें यहां 5वीं वरीयता दी गई है। इस टूर्नामेंट में 2016 के चैंपियन और छठी वरीयता प्राप्त सैम क्वेरी ने सात में से छह ब्रेक प्वाइंट बचाकर हमवतन अमेरिकी मैकेंजी मैकडोनाल्ड को 6-3, 6-4 से पराजित किया। अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा ने दक्षिण कोरिया के क्वोन सून वू को 6-4, 6-4 से हराया। उनका अगला मुकाबला पॉल से होगा। अन्य मैचों में इटली के जियानलुका मैगर ने अमेरिका के रेयान हैरिसन को 3-6, 6-1, 6-4 से जबकि ब्राजील के थियागो मोंटिरो ने हमवतन थामस बेलुची को 6-3, 7-5 से शिकस्त दी। मोंटिरो का अगला मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त जॉन इसनर से होगा।

स्मिथ ने तोड़ा सोबर्स का रिकार्ड

सिडनी। आस्ट्रेलिया के धुरंधर स्टीवन स्मिथ शुक्रवार को भारत के खिलाफ सबसे तेजी से सबसे अधिक 8 शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस मामले में स्मिथ ने वेस्टइंडीज के महान कप्तान सर गैरी सोबर्स का रिकार्ड तोड़ा है। स्मिथ ने सिडनी में जारी तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में अपने करियर का 27वां शतक पूरा किया। यह भारत के खिलाफ उनका आठवां शतक है और इसके लिए स्मिथ ने सबसे कम 25 पारियां खेली हैं। इससे पहले सबसे कम पारियों में भारत के खिलाफ 8 शतक लगाने का रिकार्ड सोबर्स के नाम था। सोबर्स ने 30 पारियों में यह कारनामा किया था। इस क्रम में तीसरे स्थान पर वेस्टइंडीज के ही एक और दिग्गज सर विवियन रिचर्डस का नाम है। विव ने 8 शतक लगाने के लिए 41 पारियां खर्च की थीं। चौथे स्थान पर आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोटिंग हैं, जिन्होंने 51 पारियों में भारत के खिलाफ 8 शतक लगाए हैं। आईसीसी की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज स्मिथ ने टेस्ट शतकों के मामले में भारत के मौजूदा कप्तान विराट कोहली, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ और अपने ही देश के पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर की बराबरी कर ली है। भारत के खिलाफ हालांकि स्मिथ ने चार साल के अंतराल के बाद शतक लगाया है। इससे पहले इस 31 साल के बल्लेबाज ने 2017 में धर्मशाला में खेले गए टेस्ट मैच की पहली पारी में 111 रन बनाए थे।

IOC के वरिष्ठ सदस्य ने कहा- कोरोना फैल रहा है, तोक्यो ओलंपिक होंगे इसका यकीन नहीं

तोक्यो ।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा है कि जापान और अन्य देशों में कोविड-19 महामारी के बढ़ने के कारण उन्हें यकीन नहीं है कि छह महीने बाद तोक्यो ओलंपिक खेलों का आयोजन हो पाएगा। जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने गुरुवार को तोक्यो और आसपास के क्षेत्रों में आपात स्थिति की घोषणा की जिसके बाद कनाडा के आईओसी सदस्य रिचर्ड पाउंड ने यह टिप्पणी की। पाउंड ने तोक्यो खेलों के भविष्य के बारे में कहा, 'मैं पूरे यकीन से नहीं कह सकता क्योंकि वायरस अब भी फैल रहा है। जापान में आपात स्थिति का आदेश फरवरी के पहले सप्ताह तक रहेगा। तोक्यो में गुरुवार को कोरोना वायरस के 2447 नये मामले सामने आए जो पहले दिन की तुलना में दोगुना है। तोक्यो के लिये यह महत्वपूर्ण समय है। आयोजक कह रहे हैं ओलंपिक खेलों का आयोजन होगा लेकिन वह अपनी ठोस योजना का खुलासा नहीं कर रहे हैं। पाउंड ने इसके साथ कहा कि टीकाकरण में खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए क्योंकि वे 'रोल मॉडल% है। यह आईओसी अध्यक्ष थामस बॉक के बयान से उलट लगता है। बॉक ने नवंबर में कहा था कि खिलाड़ियों को टीके की जरूरत नहीं पड़ेगी और उन्हें प्राथमिकता में नहीं रखा जाना चाहिए।

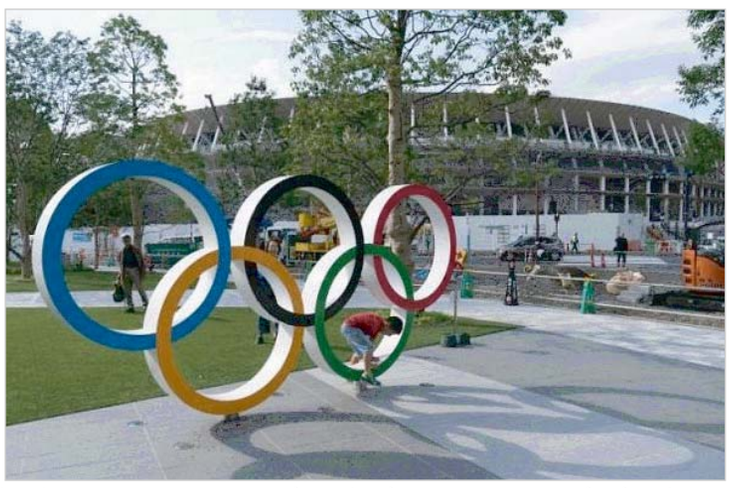

मुक्केबाजी महासंघ के चुनाव 3 फरवरी को गुरुग्राम में

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के चुनाव तीन फरवरी को गुरुग्राम में होंगे। महासंघ ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी। बीएफआई ने बताया कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को उसके चुनाव कराने के प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है। बीएफआई ने बयान में कहा, पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने बीएफआई को निर्देश दिया था कि वह आठ जनवरी 2021 से पहले चुनावों का कार्यक्रम अदालत में जमा कराए। बीएफआई ने एक प्रस्तावित चुनावों की तारीख के साथ अदालत में एक एफिडेविट दाखिल किया है। बीएफआई ने कहा, बीएफआई के निदेशक-प्रशासन द्वारा जो कार्यक्रम दाखिल किया गया, उसे अदालत ने मान लिया है और चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक 3 फरवरी, 2021 को होंगे। सभी पक्षों ने कार्यक्रम स्वीकार कर लिया है। पहले यह चुनाव 18 दिसंबर को होने थे, लेकिन कोविड-19 के कारण इन्हें स्थागित कर दिया गया। इसके बाद आपातकालीन आम बैठक में अधिकारियों के कार्यकाल को तीन महीने का विस्तार दे दिया गया। उत्तर प्रदेश मुक्केबाजी संघ ने ईजीएम को चुनौती देते हुए याचिका दायर की और बीएफआई चुनाव का मुद्दा फिर दिसंबर में दिल्ली उच्च न्यायालय पहुंचा। अदालत ने बैठक पर स्टे लगाने से मना कर दिया लेकिन उसने बीएफआई से 15 जनवरी तक अपने चुनाव कराने का प्लान दाखिल किया।

सितम्बर तक तैयार हो जाएगा बीजिंग विंटर ओलंपिक पार्क

बीजिंग। बीजिंग के शहर के पश्चिमी क्षेत्र में एक विंटर ओलंपिक पार्क का निर्माण करेगा। कहा गया है कि यह निर्माण इस साल सितम्बर के अंत तक पूरा हो जाएगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक जिला अधिकारियों ने कहा है कि नया पार्क शीजिंगशान जिले में स्थित होगा और इसका क्षेत्रफल 1141 हेक्टेयर होगा। यह पार्क योंगडिंग नदी के आसपास के इलाकों को घेरेगा, जो बीजिंग के दक्षिणपश्चिमी क्षेत्र से होकर बहती है। इस पार्क का निर्माण पूरा होने के बाद बीजिंग के पास एक ब्रांड न्यू मैराथन रूट होगा, जो कि लोगों के लिए उपयोग में लाई जाने वाली सड़कों से अलग होगा। नए रूट में 5, 10, 21 और 42 किमी के अलग-अलग ट्रैक होंगे।

चिली का दौरा करेगी भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम

नई दिल्ली ।

भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम इस महीने चिली का दौरा करेगी जहां वह चिली की जूनियर और सीनियर महिला टीम के साथ मुकाबला खेलेगी। कोरोना वायरस के कारण दुनियाभर में खेल गतविधियां ठप्प होने के बाद भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम का यह पहला अंतरराष्ट्रीय दौरा होगा। टीम ने आखिरी बार दिसंबर 2019 में मुकाबला खेला था जहां उसने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के साथ तीन देशों के टूर्नामेंट में भाग लिया था। महिला टीम चिली की जूनियर टीम के साथ 17 और 18 जनवरी को मुकाबला खेलेगी। इसके बाद टीम चिली की सीनियर टीम के साथ 20, 21, 23 और 24 जनवरी को मैच खेलेगी। हॉकी इंडिया ने इस दौरे के लिए 24 सदस्यीय टीम की घोषणा की है।

टीम कप्तान सुमन देवी थोडम और उपकप्तान इशिका चौधरी के नेतृत्व में इस दौरे पर जाएगी। हॉकी इंडिया ने इस दौरे के लिए चिली के साथ मिलकर खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए जैव सुरक्षा प्रोटोकॉल तैयार किया है। प्रोटोकॉल के अनुसार भारतीय महिला टीम होटल में अलग-अलग कमरों में रहेगी और वहां से खिलाड़ी टीम बैठक में जुड़ेंगी तथा अन्य कार्य करेंगी।

इस दौरे के लिए भारतीय जूनियर महिला टीम इस प्रकार है :

गोलकीपर : खुशबू और रशनप्रीत कौर

डिफेंडर : सुमन देवी थोडम, इशिका चौधरी, महिमा चौधरी, प्रियंका, गगनदीप कौर, सुषमा कुमारी और अक्षता धेकाले

मिडफील्डर : बलजीत कौर, चेतना, मारियान कुजुर, अजमीना कुजुर, रीत, प्रभलीन कौर, वैष्णवी फालके और प्रीति

फॉरवर्ड : जीवन किशोरी टोपो, मुमताज खान, रुतुजा पिसल, संगीता कुमारी, ब्यूटी डुंगडुंग, लालरिंदिकी और दीपिका

ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करना चाहता हूं : जडेजा

सिडनी। रवींद्र जडेजा ने शुक्रवार को कहा कि वह बल्लेबाजी क्रम में ऊपर खेलना चाहते हैं क्योंकि इससे उन्हें विकेट पर पैर जमाने का समय मिलता है और वह पारी बना सकते हैं। जडेजा ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ नंबर-7 पर आते हुए 57 रनों की पारी खेली थी और कप्तान अजिंक्य रहाणे के साथ 121 रनों की साझेदारी निभाई। तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद जडेजा ने कहा, मुझे लगता है कि अगर मैं बल्लेबाजी क्रम में ऊपर खेलूंगा तो, मैं ज्यादा जिम्मेदारी से बल्लेबाजी करूंगा। इससे आपको पैर जमाने का समय मिलता है। एक बार जब मैं जम गया तो मैं अपनी लय में बल्लेबाजी कर सकता हूं। जडेजा ने कहा, अगर मैं ऊपरी क्रम के बल्लेबाजों के साथ बल्लेबाजी करूंगा तो मुझे आत्मविश्वास मिलेगा क्योंकि मैं बल्लेबाज से बात कर सकूंगा कि मुझे क्या करना है और क्या नहीं। इसलिए मैं जितनी ऊपरी बल्लेबाजी करूंगा यह मेरे लिए अच्छा होगा और मुझे अपनी पारी बनाने में मदद मिलेगी। जडेजा ने कहा कि वह अपने आप को ऑलराउंडर मानते हैं। उन्होंने कहा, सभी प्रारूप में मेरा काम बल्ले और गेंद दोनों से बल्लेबाजी करना है। यही मुझे बताया गया है। मैंने जब से भारत के लिए खेलना शुरू किया है मेरा काम यही रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जल बचत और फसल बढ़ाए

ड्रिप सिंचाई प्रौद्योगिकी

भारत में सिंचित क्षेत्र निवल बुवाई क्षेत्र का लगभग 36 प्रतिशत है। वर्तमान में कृषि क्षेत्र में संपूर्ण जल उपयोग का लगभग 83 प्रतिशत जल उपयोग में लाया जाता है। शेष 5, 3, 6 और 3 प्रतिशत जल का उपयोग क्रमशः घरेलू, औद्योगिक व उर्जा के क्षेत्रों तथा अन्य उपभोक्ताओं द्वारा किया जाता है। भविष्य में अन्य जल उपयोगकर्ताओं के साथ प्रतिस्पर्धा बढ़ जाने के कारण विस्तृत होते हुए सिंचित क्षेत्र के लिए जल की उपलब्धता सीमित हो जाएगी। सिंचाई की परंपरागत सतही विधियों में जल की क्षति अधिक होती है। यदि ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई की विधियों को अपनाया जाए तो इन हानियों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इन सभी सिंचाई की विधियों में से ड्रिप सिंचाई सर्वाधिक प्रभावी है और इसे अनेक फसलों, विशेषकर सब्जियों, बागानी फसलों, पुष्पों और रोपण फसलों में व्यापक रूप से उपयोग में लाया जा सकता है। ड्रिप सिंचाई में इमीटरों और ड्रिपरों की सहायता से पानी पौधों की जड़ों के पास डाला जाता है या मिटटी की सतह अथवा उसके नीचे पहुंचाया जाता है। इसकी दर 2-20 लीटर/घंटे अर्थात बहुत कम होती है। जल्दी-जल्दी सिंचाई करके मृदा में नमी का स्तर अनुकूलतम रखा जाता है। ड्रिप सिंचाई के परिणामस्वरूप जल अनुप्रयोग की दक्षता बहुत उच्च अर्थात लगभग 90-95 प्रतिशत होती है। विशिष्ट ड्रिप सिंचाई प्रणाली चित्र में दर्शायी गयी है।

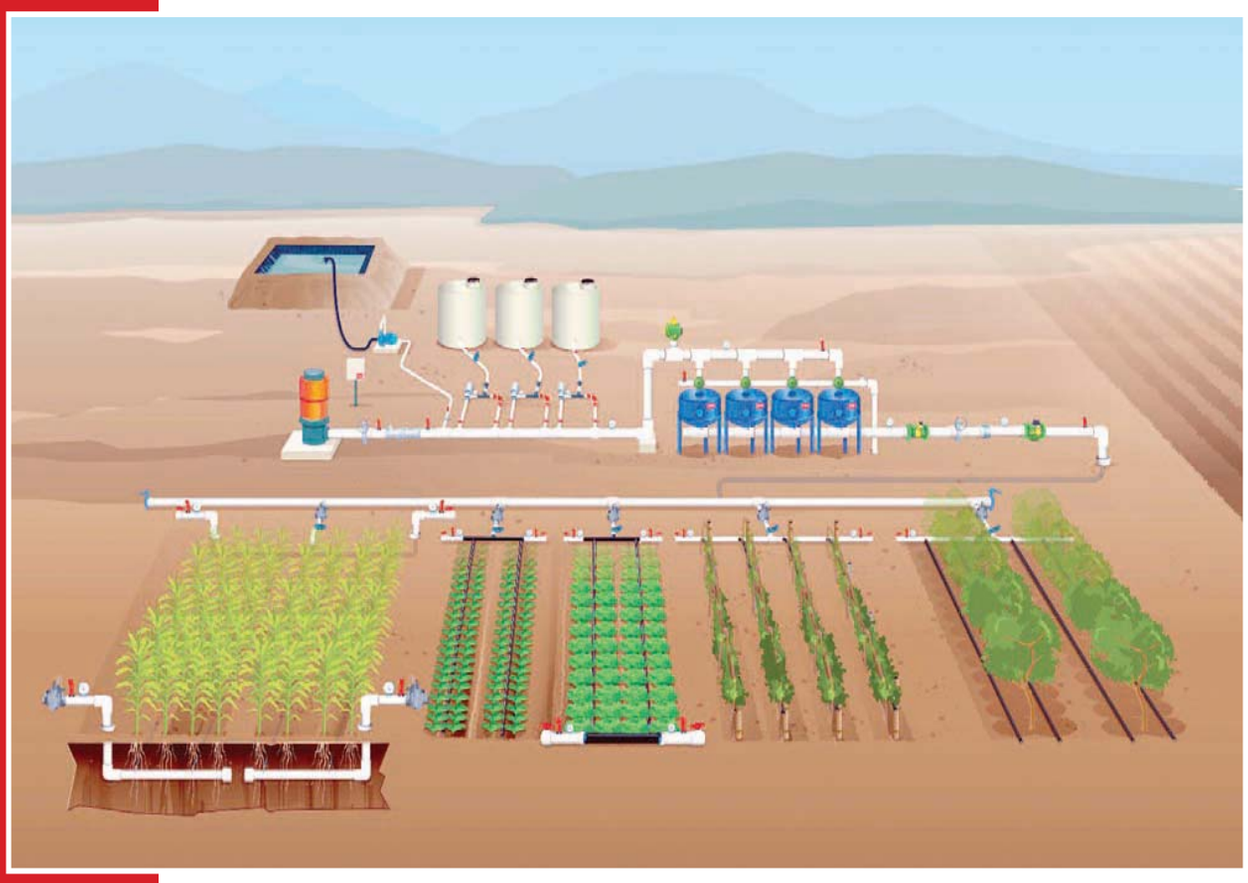

ड्रिप सिंचाई का इतिहास

भारत के कुछ भागों में प्राचीन परंपरा के अंतर्गत ड्रिप सिंचाई का उपयोग हुआ है और इसके द्वारा घर के आंगन में रखे तुलसी के पौधे की सिंचाई की जाती थी। गर्मियों के मौसम में पौधों की सिंचाई के लिए वृक्षों या पौधों के पास एक छोटा छेद करके पानी से भरा घड़ा लटका दिया जाता था जिससे बूंद-बूंद कर पानी टपकता रहता था। अरूणाचल प्रदेश के आदिवासी किसानों ने पतले बांस को पानी के प्रवाह के रूप में नाली का इस्तेमाल करते हुए ड्रिप सिंचाई प्रणाली को आदिप्रथा के रूप में अपनाया था। उप-सतही सिंचाई में ड्रिपरों का उपयोग जर्मनी में 1869 में पहली बार किया गया। 1950 के दशक के दौरान और इसके पश्चात पैट्रोरसायन उद्योग में हुई तेजी से वृद्धि से कम लागत पर प्लास्टिक के पाइपों का निर्माण करना संभव हुआ। ये पाइप धातु या सीमेंट-कंक्रीट से बने पाइपों की तुलना में सस्ते व सुविधाजनक थे। प्लास्टिक के पाइप दबाव के अंतर्गत जल को वहन करने में सुविधाजनक होते हैं तथा इन्हें वांछित संरचना में आसानी से तैयार किया जा सकता है।

प्लास्टिक से बने ड्रिप सिंचाई के खेतों या बागों में उपयोग में आने वाले पाइप व्यवहारिक दृष्टि से उत्तम होते हैं। ड्रिप सिंचाई प्रणाली का विकास खेत फसलों के लिए इजराइल में 1960 के दशक के आरंभ में तथा आस्ट्रेलिया व उत्तरी अमेरिका में 1960 के दशक के अंत में हुआ। इस समय अमेरिका में ड्रिप सिंचाई प्रणाली के अंतर्गत सर्वाधिक क्षेत्र है जो लगभग 1 मिलियन हैक्टर है। इसके बाद भारत, स्पेन, इजराइल आदि देश आते हैं। भारत में पिछले लगभग 15 वर्षों के दौरान ड्रिप सिंचाई के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में अत्यधिक वृद्धि हुई है। वर्तमान में, भारत सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप हमारे देश में लगभग 3.51 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई की जाती है जबकि 1960 में यह क्षेत्र केवल 40 हैक्टेयर था। महाराष्ट्र (94,000 है.), कर्नाटक (66,000 है.) और तमिलनाडू (55,000 है.) कुछ ऐसे राज्य हैं जिनमें बड़े क्षेत्रों में ड्रिप सिंचाई की जाने लगी है। भारत में सिंचाई की ड्रिप विधि से अनेक फसलें सींची जाती हैं। सबसे अधिक प्रतिशत वृक्षों में की जाने वाली ड्रिप सिंचाई का है जिसके बाद लता वाली फसलों, सब्जियों, खेत फसलों व अन्य फसलों का स्थान आता है।

ड्रिप और सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों के लिए विकास की क्षमता

ड्रिप सिंचाई प्रणाली सभी बागानी व सब्जी वाली फसलों के लिए उपयुक्त है।

ड्रिप सिंचाई प्रणाली को प्याज और भिंडी सहित घनी फसलें उगने वाले खेतों में भी सफलतापूर्वक अपनाया जा सकता है।

भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के बागवानी में प्लास्टीकल्चर अनुप्रयोगों पर राष्ट्रीय समिति ने अनुमान लगाया है कि देश में कुल 27 मिलियन हैक्टर क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई का उपयोग किया जा रहा है।

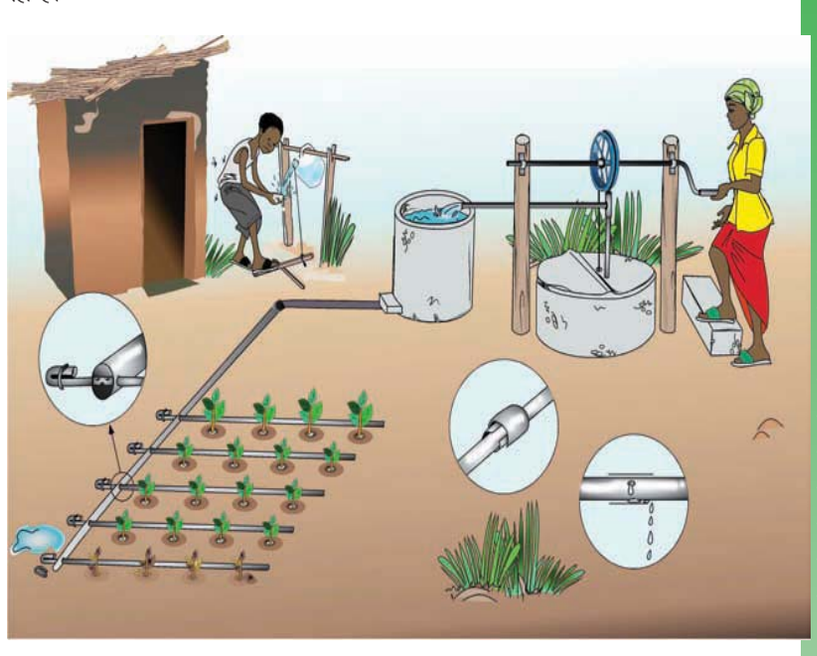

टपक सिंचाई प्रणाली

ड्रिप प्रणाली सिंचाई की उन्नत विधि है, जिसके प्रयोग से सिंचाई जल की पर्याप्त बचत की जा सकती है। यह विधि मृदा के प्रकार, खेत के ढाल, जल के स्त्रोत और किसान की दक्षता के अनुसार अधिकतर फसलों के लिए अपनाई जा सकती हैं। ड्रिप विधि की सिंचाई दक्षता लगभग 80-90 प्रतिशत होती है। फसलों की पैदावार बढ़ने के साथ-सथ इस विधि से उपज की उच्च गुणवत्ता, रसायन एवं उर्वरकों का दक्ष उपयोग, जल के विक्षालन एवं अप्रवाह में कमी, खरपतवारों में कमी और जल की बचत सुनिश्चित की जा सकती है।

इस विधि का उपयोग पूरे विश्व में तेजी से बढ़ रहा है। सीमित जल संसाधनों और दिनों दिन बढ़ती हुई जलावश्यकता और पर्यावरण की समस्या को कम करने के लिए ड्रिप सिंचाई तकनीक निःसन्देह बहुत कारगर सिद्ध होगी। जिन क्षेत्रों में भूमि को सममतल करना मंहगा और कठिन या असंभव हो उन क्षेत्रों में व्यावसायिक फसलों को सफलतापूर्वक उगाने के लिए ड्रिप सिंचाई तकनीक सर्वाधिक उपयुक्त है। ड्रिप तंत्र एक अधिक आवृति वाला ऐसा सिंचाई तंत्र है जिसमें जल को पौधों के मूलक्षेत्र के आसपास दिया जाता है। ड्रिप सिंचाई के द्वारा पौधे को आवश्यकतानुसार जल दिया जा सकता है। ड्रिप सिंचाई के द्वारा 30-40 प्रतिशत तक उर्वरक की बचत, 70 प्रतिशत तक जल की बचत के साथ उपज में 100 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। इसके अतिरिक्त खरपरवारों में कमी, ऊर्जा की खपत में बचत और उत्पाद की गुणवत्ता में बढ़ोतरी भी होती है।

जल की बचत : 70 प्रतिशत तक जल की बचत। सिंचाई का जल सतहपर बह कर और जमीन में मूलक्षेत्र से नीचे नहीं जाता है। सिंचाई के जल का बड़ा हिस्सा वाष्पन, रिसाव और जमीन में ज्यादा गहराई तक जाकर बर्बाद होता है।

जल के उपयोग की दक्षता : 80 से 90 प्रतिशत तक, 30-50 प्रतिशत, क्योंकि बहुतसारा सिंचाई का जल फसल तक पहुँचने में और खेत में वितरण में बर्बाद हो जाता है।

श्रम की बचत : ड्रिप तंत्र को लगभग प्रतिदिन शुरू और बन्द करने के लिए श्रम की बहुत कम आवश्यकता होती है। इसमें प्रति सिंचाई ड्रिप से ज्यादा श्रम की जरूरत होती है।

खरपतवार की समस्या : मिट्टी का कम हिस्सा नम होता है, इसलिए खेत में खरपतवार भी कम होते हैं।

खारे जल का उपयोग : जल्दी-जल्दी सिंचाई करने के कारण जड़ तंत्र में अधिक नमी रहती है और लवणों की सान्द्रता हानिकारक स्तर से कम रहती है। लवणों का सान्द्रण जड़ तंत्र में बढ़ जाता है, जिससे जड़ों कीवृद्धि रूक जाती है, इसलिए खारे जल का उपयोग नहीं करपाते हैं।

बीमारियों और कीड़े-मकोड़ों की समस्या : पौधों के आसपास वायुमण्डल में नमी की सान्द्रता कम रहती है, इसलिए पौधों में बीमारियों और कीड़े-मकोड़े लगने की संभावना कम रहती है।

खराब मृदाओं में उपयुक्तता : ड्रिप सिंचाई द्वारा मृदा में जल के वितरण को मृदा की प्रकार के अनुसार नियोजित किया जा सकता है। इसलिए, ड्रिप सिंचाई सब प्रकार की मृदाओं के लिए प्रयुक्त की जा सकतीहै।

जल का नियंत्रण : बिल्कुल सही और सरल ढंग से संभव।

उर्वरक उपयोग की दक्षता : निच्छालन और अपवाह न होने के कारण पोषक तत्व नष्ट नहीं होते हैं, इसलिए इनके उपयोग की दक्षता बढ़ जाती है। पोषक तत्व निच्छालन और बहाव में नष्ट हो जाते हैं, इसलिए उनके उपयोग की दक्षता निम्न होती है।

भूक्षरण : मिट्टी की सतह का आंशिक और नियंत्रित हिस्सा ही गीला होता है, इससे भूक्षरण नहीं होता है।

पैदावार में बढ़ोतरी : जल्दी-जल्दी सिंचाई से मिट्टी में जल तनाव नहीं रहता है और पौधों की वृद्धि अधिक होती है, जिससे पैदावार 100 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।

ड्रिप सिंचाई के साथ-साथ फर्टिगेशन भी पहुंचता है पौधों तक

फर्टिगेशन दो शब्दों फर्टिलाइज़र अर्थात् उर्वरक और इर्रिगेशन अर्थात् सिंचाई से मिलकर बना है। ड्रिप सिंचाई में जल के साथ–साथ उर्वरकों को भी पौधों तक पहुँचाना फर्टिगेशन कहलाता है। ड्रिप सिंचाई में जिस प्रकार ड्रिपरों के द्वारा बूंद–बूंद कर के जल दिया जाता है, उसी प्रकार रासायनिक उर्वरकों को सिंचाई जल में मिश्रित करके उर्वरक अंत: क्षेपक यंत्र की सहायता से ड्रिपरों द्वारा सीधे पौधों के पास पहुँचाया जा सकता है। फर्टिगेशन उर्वरक देने की सर्वोत्तम तथा अत्याधुनिक विधि है।

फर्टिगेशन को फसल एवं मृदा की आवश्यकताओं के अनुरूप उर्वरक व जल का समुचित स्तर बनाए रखने के लिए अच्छी तकनीक के रूप में जाना जाता है। जल और पोषक तत्वों का सही समन्वय अधिक पैदावार और गुणवत्ता की कुंजी है। फर्टिगेशन द्वारा उर्वरकों को कम मात्रा में जल्दी–जल्दी और कम अन्तराल पर पूर्वनियोजित सिंचाई के साथ दे सकते हैं, इससे पौधों को आवश्यकतानुसार पोषक तत्व मिल जाते हैं और मूल्यवान उर्वरकों का निच्छालन द्वारा अपव्यय भी नहीं होता है।

सामान्यत: फर्टिगेशन में तरल उर्वरकों का ही प्रयोग किया जाता है परन्तु दानेदार और शुष्क उर्वरकों को भी फर्टिगेशन के द्वारा दिया जा सकता है। फर्टिगेशन के द्वारा शुष्क उर्वरकों को देने से पूर्व उनका जल में घोल बनाया जाता है। उर्वरकों के जल में घोलने की दर उनकी विलेयता और जल के तापमान पर निर्भर करती है। उर्वरकों के घोल को फर्टिगेशन से पहले छान लेना चाहिए।

फर्टिगेशन से लाभ

- फर्टिगेशन जल एवं पोषक तत्वों के नियमित प्रवाह को सुनिश्चित करता है जिससे पौधों की वृद्धि दर तथा गुणवत्ता में वृद्धि होती है।
- फर्टिगेशन द्वारा पोषक तत्वों को फसल की मांग के अनुसार उचित समय पर दे सकते हैं।
- फर्टिगेशन पोषक तत्वों की उपलब्धता और पौधों की जड़ों के द्वारा उनका उपयोग बढ़ा देता है।
- फर्टिगेशन उर्वरक देने की विश्वस्तरीय और सुरक्षित विधि है। इससे पौधों की जड़ों को हानि पहुँचने का भय नहीं रहता है।
- फर्टिगेशन से जल और उर्वरक पौधों के मध्य न पहुंचकर सीधे उनकी जड़ों तक पहँचते हैं इसलिए पौधों के मध्य खरपतवार कम संख्या में उगते हैं।
- फर्टिगेशन से भूमिगत जल का प्रदूषण नहीं होता है।
- फर्टिगेशन से फसलों के पूरे वृद्धि काल में उत्पादन को बिना कम किए, उर्वरक धीरे-धीरे दिए जा सकते हैं। ?
- उर्वरक-उपयोग की किसी अन्य विधि की तुलना में फर्टिगेशन सरल एवं अधिक सुविधाजनक है जिससे समय और श्रम की बचत होती है।
- ड्रिप सिंचाई द्वारा फर्टिगेशन करने से बंजर भूमि (रेतीली या चट्टानी मृदा) में जहां जल एवं
- तत्वों को पौधे के मूल क्षेत्र के वातावरण में नियन्त्रित करना कठिन होता है, फसल ली जा सकती है।
- उर्वरक-उपयोग की दक्षता बढ़ती है और उर्वरक की कम मात्रा में आवश्यकता होती है

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रंप प्रशासन ने H-vB Visa को लेकर लिया बड़ा फैसला, लॉटरी सिस्टम की जगह 'वेतन-स्किल' को तवज्जो

इंटरनेशनल डेस्क :

ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार को एच-1बी वीजा की चयन प्रक्रिया को संशोधित करते हुए इसमें मौजूदा लॉटरी प्रक्रिया की जगह वेतन और कौशल को प्राथमिकता दी है। इस संबंध में एक अधिसूचना संघीय रजिस्टर में प्रकाशित हुई और यह 60 दिनों में लागू होगी। एच-1बी गैर-आव्रजक वीजा है जो अमेरिकी कंपनियों को विशेषज्ञता वाले पदों पर विदेशी पेशेवरों की नियुक्ति की अनुमति देता है। इस वीजा के जरिये अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियां हजारों की संख्या में भारत और चीन के पेशेवरों की नियुक्ति करती हैं। एच-1बी वीजा के लिए आवेदन करने का अगला सत्र एक अप्रैल से चालू होगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में दो सप्ताह से कम समय बचा है और ऐसे में यह अधिसूचना, अमेरिका में प्रवासियों के प्रवेश को रोकने की ताजा कोशिश मानी जा रही है। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि ये संशोधन भारतीय कंपनियों को कैसे प्रभावित करेगा, क्योंकि आगामी बाइडन प्रशासन अधिसूचना की समीक्षा कर सकता है। अभी तक अधिसूचना पर किसी भी कंपनी या व्यावसायिक निकाय की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

ट्रंप की विदेश नीतियों में प्रवासियों के प्रवेश को रोकने पर खासतौर से ध्यान दिया गया और उन्होंने अपने कार्यकाल के शुरू में ही सात मुस्लिम बहुल देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगा दिए और ये ट्रंप के अंतिम वर्ष तक जारी रहा। पिछले सप्ताह ट्रंप ने एच-1बी वीजा और अन्य कार्य वीजा के साथ ही ग्रीन कार्ड पर रोक को 31 मार्च तक बढ़ा दिया था। डेमोक्रेटिक नेता जो बाइडन ने कहा है कि ट्रम्प की आव्रजन नीतियां क्रूर हैं और उन्होंने वादा किया है कि वह 20 जनवरी को राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद एच-1बी वीजा पर रोक को हटा देंगे। ताजा फैसले के बारे में अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि इस कदम का उद्देश्य अमेरिकी श्रमिकों के आर्थिक हितों की रक्षा करना और अस्थायी रोजगार कार्यक्रम से सबसे अधिक कुशल विदेशी श्रमिकों को लाभ पहुंचाना है।

कैपिटल हिल की हिंसा ट्रंप की लोकतंत्र की अवहेलना का नतीजा: बाइडन

इंटरनेशनल डेस्क।

कैपिटल हिल (संसद भवन) में डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों के हमले को अमेरिका के इतिहास का काला दिन बताते हुए नव निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि ट्रंप द्वारा लोकतंत्र की अवहेलना के कारण हिंसा की घटना हुई। बाइडन ने डेलावेयर विलमिंगटन में बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा कि कैपिटल हिल में उत्पात की घटना कोई असहमति, या विरोध प्रदर्शन नहीं बल्कि अराजकता थी। उन्होंने कहा, वे प्रदर्शनकारी नहीं थे। उन्हें प्रदर्शनकारी मत कहिए। वे दंगाई भीड़ थे, वे देश के आतंकी थे। काश मैं यह कह पाता कि हमने यह सब नहीं देखा, लेकिन यह सच नहीं है। हमने उन्हें आते हुए देखा। बाइडन ने कहा, पिछले चार साल से हमारे यहां ऐसे राष्ट्रपति हैं जिन्होंने हमारे लोकतंत्र, हमारे संविधान, कानून के शासन की अवहेलना की।'' बाइडन ने तीखा हमला करते हुए कहा कि ट्रंप ने उनकी सत्ता पर सवाल उठाने वाले मुक्त प्रेस पर भी लगातार निशाना साधा, उन्हें लोगों का दुश्मन बताया। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति बाइडन ने कहा, ट्रंप को ऐसा लगता था कि वह अदालत में अपने मित्र न्यायाधीशों की बदौलत जीत जाएंगे लेकिन उन्हें तब धक्का लगा जब उन्हीं के द्वारा नियुक्त न्यायाधीशों ने उनकी चुनौती को खारिज कर दिया।

बाइडन ने कहा कि न्यायपालिका ने हर अवसर पर अपना काम पूरी निष्ठा के साथ बखूबी किया और निष्पक्षता बरती।

भारत ने UK से कहा-जयसुख रनपारिया को करो गिरफ्तार, किरीट जोशी हत्याकांड का है मास्टरमाइंड

नेशनल डेस्क।

गुजरात के जामनगर में वकील किरीट जोशी की हत्या करवाने वाला खूंखार गैंगस्टर जयसुख रनपारिया भगौड़ा है और उसकी गिरफ्तारी को लेकर भारत ने ब्रिटेन से मदद मांगी है। दरअसल भारत ने ब्रिटेन से कहा है कि जयसुख उनके देश में छिपा हो सकता है। भारत ने ब्रिटेन से जयसुख को अपने देश में खोजे और उसे गिरफ्तार करे को कहा है। किरीट हत्याकांड के बाद जयसुख देश छोड़कर दुबई भाग गया था, उसे जयेश पटेल के भी नाम से जाना जाता है। बताया जा रहा है कि जयसुख रनपारिया उर्फ जयेश पटेल के ब्रिटेन में होने की सूचना मिली है। 41 वर्षीय गैंगस्टर द्वारा फिरौती के लिए किए गए फोन के आधार पर यह जानकारी सामने आई। गुजरात पुलिस की मानें तो जयसुख के ऊपर हत्या, जबरन वसूली, धोखाधड़ी, जालसाजी और मनी लॉन्ड्रिंग सहित 42 आपराधिक मामले दर्ज हैं। जामनगर में प्रवर्तन निदेशालय ने साल 2018 में भूमि के अधिग्रहण से संबंधित एक मामले को लेकर 3.97 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की थी. जयेश पटेल कुछ सालों से जामनगर में काम कर रहा था और वह जमीन या इमारतें बेचने वाले रियल एस्टेट डेवलपर्स और प्रॉपर्टी मालिकों से जबरन पैसे वसूलता था । जयेश पटेल पहले एक छोटा-मोटा बदमाश था लेकिन राजनीतिक पॉवर मिलने के बाद उसकी काफी दहशत हो गई थी।। वह सुर्खियों में उस समय आया जब उसने 100 करोड़ की जमीन को गैरकानूनी रूप से हथियाने की कोशिश की। इस केस को वकील किरीट जोशी ने लड़ा था और इसी के कारण जयसुख ने किरीट की हत्या करवा दी।

us capitol के खूनी संघर्ष को रोकने में नाकाम रहे पुलिस के प्रमुख, इस्तीफा देने का किया ऐलान

इंटरनेशनल डेस्क।

अमेरिका में कैपिटल परिसर (अमेरिकी संसद भवन) में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों को हंगामा करने से रोकने में नाकाम रहने को लेकर आलोचना के बाद यूएस कैपिटल पुलिस प्रमुख स्टीवन संड ने घोषणा की है कि वह इस महीने इस्तीफा दे देंगे। घटना के बाद प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी और सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता चक शूमर ने वीरवार को यूएस कैपिटल पुलिस प्रमुख के इस्तीफे की मांग की थी और कहा था कि अगर उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया तो उन्हें सेवा से हटा दिया जाएगा।

कैपिटल पुलिस बोर्ड को लिखे पत्र में संड ने कहा कि यूनाइटेड स्टेट्स कैपिटल पुलिस बोर्ड में सेवा देना और यूएस कैपिटल पुलिस के कर्मियों तथा कांग्रेस सदस्यों के साथ काम करना मेरे लिए गर्व और प्रसन्नता की बात है। संड के साथ बोर्ड के अन्य सदस्य भी पदों से इस्तीफा देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि मैं 17 जनवरी 2021 से अस्वस्थता का हवाला देकर अवकाश (सिक लीव) पर चला जाऊंगा। मेरे पास करीब 440 घंटे की सिक लीव है। बुधवार को हजारों ट्रंप समर्थकों ने कैपिटल बिल्डिंग में घुसकर हंगामा किया और पुलिस के साथ झड़प की। ट्रंप समर्थकों ने संसद के संयुक्त सत्र को बाधित करने का प्रयास किया जिसमें नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन और नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की जीत की पुष्टि होनी थी। यूनाइटेड स्टेट्स कैपिटल पुलिस लेबर कमेटी ने भी संड के इस्तीफे की मांग की थी।

संक्षिप्त समाचार

Boeing '737 मैक्स' को लेकर लगे आरोपों पर देगी 2.5 अरब डॉलर का जुर्माना, कंपनी ने मानी अपनी गलती

इंटरनेशनल डेस्क।

विमानन कंपनी बोइंग अमेरिका में न्याय विभाग की एक जांच को बंद करने के लिए 2.5 अरब डॉलर का भुगतान करने को तैयार हो गई है और इसके साथ ही कंपनी ने माना कि उसके कर्मचारियों ने 737 मैक्स विमान की सुरक्षा के बारे में नियामकों को गुमराह किया था, जिनके विमानन सेवाओं में प्रवेश करते ही दो प्राणघातक दुर्घटनाएं हुई थीं। सरकार और कंपनी ने कहा कि बोइंग द्वारा दी जाने वाली राशि में दुर्घटना से पीड़ितों परिवारों, विमानन कंपनी के ग्राहकों को मुआवजा और जुर्माना शामिल है। सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने कहा कि बोइंग के कर्मचारियों ने संघीय उड्डयन प्रशासन को विमान के सुरक्षा कारकों के बारे में भ्रामक और अधूरी जानकारी दी और फिर अपने कृत्य को छिपाने की कोशिश की। कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल डेविड बर्न्स ने कहा कि बोइंग के कर्मचारियों ने साफगोई की जगह मुनाफे का रास्ता चुना। बोइंग ने इसके लिए दो पूर्व पायलटों को दोषी ठहराया, जिन्होंने यह निर्धारित करने में मदद की कि मैक्स के लिए कितना प्रशिक्षण जरूरी था। कंपनी के सीईओ डेविड कैलहौन ने कहा कि इन कर्मचारियों का आचरण बोइंग के चरित्र को नहीं दर्शाता है।

आस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन में 3 दिवसीय लॉकडाउन

ब्रिसबेन। ऑस्ट्रेलिया के तीसरे सबसे बड़े शहर ब्रिसबेन ने शुक्रवार को तीन दिवसीय लॉकडाउन में प्रवेश किया। एक स्थानीय निवासी के कोरोनवायरस म्यूटेंट स्ट्रेन से संक्रमित पाए जाने के बाद यह कदम उठाया गया। क्वींसलैंड राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, जहां शहर स्थित है, ग्रेटर ब्रिसबेन क्षेत्र में 11 जनवरी तक लॉकडाउन रहेगा। स्थानीय निवासी केवल जरूरी काम के लिए घर से निकल सकते हैं, जिसमें किराने का सामान या दवा खरीदना, काम करना या अध्ययन करना, व्यायाम और स्वास्थ्य देखभाल शामिल हैं, यदि घर से ऐसा करने में सक्षम नहीं हैं। राज्य की प्रीमियर एनासटेशिया पलाश्चुक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम क्वींसलैंड के लोगों को सुरक्षित रखने के लिए ऐसा कर रहे हैं। हम जानते हैं कि यह स्ट्रेन अत्यधिक संक्रामक है, 70 प्रतिशत अधिक संक्रामक है। हम वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सब कुछ करेंगे। ब्रिसबेन के क्वारंटीन होटल में काम करने वाले एक युवा क्लीनर के म्यूटेंट स्ट्रेन से संक्रमित पाए जाने के बाद सख्त प्रतिबंध लगाने का फैसला किया गया। साउथ ऑस्ट्रेलिया ने ग्रेटर ब्रिस्बेन क्षेत्र के साथ सख्त सीमा नियमों को लागू किया।

जो बाइडन ने वनिता गुप्ता के लिए बांधे तारीफों के पूल, बोले- उन्होंने भारत को किया गौरवान्वित

इंटरनेशनल डेस्क।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने वनिता गुप्ता की तारीफ करते हुए कहा कि वह नागरिक अधिकारों की अमेरिका की एक प्रतिष्ठित वकील हैं और भारतीय प्रवासियों को गौरवान्वित किया है। बाइडन ने भारतीय मूल की अमेरिकी नागरिक गुप्ता को सहायक अटॉर्नी जनरल पद के लिए नामित किया है। सीनेट से मंजूरी मिलने पर गुप्ता (46) इस पद पर आसीन होने वाली पहली अश्वेत महिला होंगी। विलमिंग्टन के डेलावेयर में बाइडन ने न्याय विभाग में एक महत्वपूर्ण पद के लिए उन्हें नामित करते हुए पत्रकारों से कहा कि विभाग में तीसरे नंबर के पद, सहायक अटॉर्नी जनरल के लिए, मैंने वनिता गुप्ता को नामित किया है। वह अमेरिका में नागरिक अधिकारों की एक प्रतिष्ठित वकील हैं। उन्होंने कहा कि गुप्ता ने 'एनएएसीपी लीगल डिफेंस फंड' से अपने करियर की शुरुआत की थी।

इसके बाद एसीएलयू और फिर पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबाम-बाइडन प्रशासन में न्याय विभाग में अपनी सेवाएं दीं, जहां उन्होंने नागरिक अधिकार संभाग की अगुवाई की। बाइडन ने कहा कि हर कदम पर, हर मुकदमे में, उन्होंने निष्पक्षता के लिए और न्यायिक प्रणाली में गलत को सही करने के लिए लड़ाई लड़ी। वहीं गुप्ता ने कहा, कि मेरी मौजूदगी भारतीय प्रवासियों को गौरवान्वित करेगी। उन्होंने कहा कि एक दिन मैं अपनी बहन और दादी के साथ 'मैकडॉनल्ड' में बैठी थी... तभी श्वेतों के वर्चस्व को मानने वाले नस्लपरस्तों के एक समूह ने हमें नस्ली ताने देने शुरू कर दिए और हमारे वहां से जाने तक हम पर खाना फेंकते रहे।'' गुप्ता ने कहा कि वह एहसास कभी दूर नहीं हुआ कि आपकी पहचान की वजह से आप सुरक्षित नहीं हैं। हालांकि मैंने एक और एहसास को अपने अंदर जिंदा रखा, जो मुझमें मेरे माता-पिता और पति की वजह से था, जिनके परिवार ने वियतनाम में हिंसा तथा युद्ध के कारण यहां शरण ली थी।

Pfizer कोरोना वैक्सीन लेने के 16 दिन बाद डॉक्टर की मौत, शरीर में दिखने लगे थे अजीब लक्षण

इंटरनेशनल डेस्क। दुनियाभर में कई कोरोना वैक्सीन को इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है। इसी बीच 3 जनवरी को एक डॉक्टर की कोरोना वैक्सीन लेने के बाद मौत हो गई। अमेरिका के साउथ फ्लॉरिडा में एक 56 वर्षीय डॉक्टर की पत्नी का आरोप है कि उसके पति की मौत फाइजर की कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक की वजह से हुई है। स्वास्थ्य अधिकारी इस मामले की जांच कर रहे हैं। करीब 10 साल से डॉक्टर माइकल माउंट सिनाई मेडिकल सेंटर में काम कर रहे थे। डॉक्टर माइकल की पत्नी हेदी नेकलमेन ने बताया कि उनके पति को 18 दिसंबर को कोरोना की फाइजर वैक्सीन की पहली खुराक दी गई थी। वैक्सीन लेने के 16 दिन बाद डॉक्टर की मौत हो गई। सेंटर फॉर डिजीजी कंट्रोल प्रिवेंशन डॉक्टर माइकल की मौत के कारणों की जांच कर रहा है। हेदी नेकलमेन का कहना है कि टीका लेने के कुछ दिनों बाद ही डॉक्टर माइकल में अजीब लक्षण दिखने लगे थे। उनके हाथ और पैरों में छोटे-छोटे धब्बे भी हो गए थे। इसके बाद उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया जहां वह एक दुर्लभ बीमारी का शिकार हो गए। नेकलमेन ने एक फेसबुक पोस्ट में बताया कि आखिरी सर्जरी से दो दिन पहले ही डॉक्टर माइकल को प्लेटलेट्स की कमी की वजह से स्ट्रोक हुआ था। डॉक्टर की मौत पर फाइजर का कहना है कि हमें नहीं लगता वैक्सीन का इससे कोई लेना-देना है।

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड और लश्कर कमांडर जकीउर रहमान लखवी को 15 साल की सजा

नेशनल डेस्क।

मुंबई हमले के मुख्य साजिशकर्ता एवं आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर जकीउर रहमान लखवी को 15 साल की सजा सुनाई गई है। संयुक्त राष्ट्र से आतंकवादी घोषित लखवी वर्ष 2015 से ही मुंबई हमले के मामले में जमानत पर था और पंजाब सूबे के आतंकवाद निरोधक विभाग ने उसे आतंकवाद का वित्तपोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

अंतरराष्ट्रीय दबाव के चलते लखवी की हुई गिरफ्तारी

देश में खुलेआम घूम रहे आतंकवादियों पर शिकंजा कसने के लिए इस्लामाबाद पर पड़ रहे अंतरराष्ट्रीय दबाव में यह कदम उठाया गया था। लखवी पर एक दवाखाना चलाने, जुटाए गए धन का इस्तेमाल आतंकवाद के वित्त पोषण में करने का आरोप है। लखवी और अन्य ने इस दवाखाने से धन एकत्रित किया और इस धन का इस्तेमाल आतंकवाद के वित्त पोषण में किया। उसने इस धन का इस्तेमाल निजी खर्च में भी किया।

लखवी को किया गया था वैश्विक आतंकवादी घोषित

प्रतिबंधित संगठन लश्कर- ए- तैयबा से जुड़े होने के अलावा वह संयुक्त राष्ट्र की तरफ से घोषित आतंकवादियों की सूची में भी शामिल है। लश्कर ए तैयबा और अल-कायदा से जुड़े होने और ''आतंकवाद के लिए वित्त पोषण, योजना, सहायता मुहैया कराने या षड्यंत्र रचने'' की खातिर लखवी को संयुक्त राष्ट्र ने दिसंबर 2008 में वैश्विक आतंकवादी घोषित किया था। प्रतिबंधित आतंकवादियों और समूहों की संपत्ति जब्त करने, यात्रा पर प्रतिबंध लगाए जाने, जिसमें दूसरे देशों की यात्रा पर प्रतिबंध भी शामिल है, जैसे प्रावधान हैं।

2008 के मुंबई हमले का था मास्टरमाइंड

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की 1267 अल-कायदा प्रतिबंध समिति ने लखवी को निजी खर्च की प्रतिपूर्ति के लिए डेढ़ लाख पाकिस्तानी रुपये के मासिक भुगतान की अनुमति दी थी। जमात-उद-दावा प्रमुख हाफिज सईद के नेतृत्व में लश्कर-ए-तैयबा ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों को अंजाम दिया था जिसमें छह अमेरिकी नागरिकों समेत 166 लोगों की मौत हो गई थी।

जयशंकर ने श्रीलंका की अपनी यात्रा पूरी की, भारतीय उच्चायोग ने दौरे को बताया ''काफी सफल''

इंटरनेशनल डेस्क। विदेश मंत्री एस जयशंकर बृहस्पतिवार को श्रीलंका की अपनी तीन दिवसीय यात्रा पूरी करने के बाद स्वदेश रवाना हुए। तीन दिवसीय यात्रा के दौरान उन्होंने देश के शीर्ष नेतृत्व के साथ ''रचनात्मक चर्चा'' की। विदेश मंत्री जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके श्रीलंकाई समकक्ष महिंदा राजपक्षे के बीच सितंबर में एक आनलाइन शिखर सम्मेलन के तीन महीन बाद श्रीलंका की यात्रा की जिस दौरान दोनों पक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को और प्रगाढ़ करने पर सहमति जतायी थी जिसमें आतंकवाद निरोधक सहयोग, समुद्री सुरक्षा और व्यापार एवं निवेश शामिल हैं। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट किया, ''डीसीआर गुणवर्द्धन को आतिथ्य और रचनात्मक चर्चा के लिए धन्यवाद। डॉ. एस जयशंकर की यात्रा को सफल बनाने के वास्ते सहयोग के लिए श्रीलंका के विदेश मंत्रालय को धन्यवाद। आगे नजदीकी तौर पर काम करने को उत्सुक हैं।'' जयशंकर ने अपनी यात्रा के दौरान श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे, प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे, विदेश मंत्री दिनेश गुणवर्द्धन, कई अन्य मंत्रियों और विपक्षी नेताओं के साथ बैठकें कीं। जयशंकर ने उन्हें आश्वासन दिया कि भारत हमेशा श्रीलंका का ''भरोसेमंद साथी और विश्वसनीय दोस्त'' रहेगा। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि नयी दिल्ली ''आपसी विश्वास, आपसी हित, परस्पर सम्मान और परस्पर संवेदनशीलता'' के आधार पर कोलंबो के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने के लिए तैयार है। जयशंकर ने राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को प्रधानमंत्री मोदी की शुभकामनाएं प्रेषित कीं और कोविड-19 के बाद स्वास्थ्य और आर्थिक सुधार के लिए सहयोग पर चर्चा की।

दुनियाभर में कोरोना का कहर जारी, संक्रमितों का आंकड़ा हुआ 8.80 करोड़

इंटरनेशनल डेस्क।

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है और विश्व भर में अब तक 8.80 करोड़ लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 18.98 लाख मरीज काल का ग्रास बन चुके हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक विश्व के 191 देशों में कोरोना वायरस से अब तक आठ करोड़ 80 लाख 24 हजार से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 18 लाख 98 हजार 259 मरीज अपनी जान गंवा चुके हैं। कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित अमेरिका में संक्रमितों की संख्या 2.15 करोड़ हो गयी है, जबकि 3.65 लाख से अधिक मरीजों की मौत हुई है। संक्रमण के मामलों में दूसरे सबसे बड़े देश भारत में संक्रमितों का आंकड़ा एक करोड़ चार लाख 13 हजार से अधिक हो गया। कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या एक करोड़ 37 हजार 398 हो गयी हो गयी जबकि मृतकों का आंकड़ा 1,50,570 हो गया है। ब्राजील में कोरोना वायरस की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या 79.61 लाख से ज्यादा हो गयी है जबकि इस महामारी से दो लाख से ज्यादा मरीजों की मौत हो चुकी है। रूस में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 32.97 लाख हो गयी है जबकि 59,628 लोगों की मौत हो गई है। ब्रिटेन में 28.98 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और 78,632 लोगों की मौत हुई है। फ्रांस में 27.63 लाख से ज्यादा लोग इस वायरस से प्रभावित हुए हैं और 66,700 मरीजों की मौत हो चुकी है। तुर्की में कोविड-19 से अब तक 22.96 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं तथा 22,264 लोगों की मौत हुई है। इटली में अब तक 22.20 लाख से अधिक लोग इस वायरस से संक्रमित हुए हैं और 77,291 लोगों की मौत हो चुकी है। स्पेन में इस महामारी से अब तक 20.24 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं तथा 51,675 लोगों की मौत हुई है। जर्मनी में इस वायरस की चपेट में 18.86 लाख से ज्यादा लोग आ चुके हैं तथा 38,987 लोगों की मौत हुई है। कोलंबिया में इस जानलेवा वायरस से अब तक 17.37 लाख लोग संक्रमित हुए हैं तथा 45,067 लोगों ने जान गंवाई है। अर्जेंटीना में कोविड-19 से 16.90 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं तथा 44,122 लोगों की मौत हो चुकी है। मेक्सिको में कोरोना से 14.93 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और 1.31 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

पोलैंड में संक्रमण के 13.56 मामले सामने आए हैं तथा 30,241 लोगों की मौत हो गई है। ईरान में इस महामारी से अब तक 12.68 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 55,933 लोगों की मौत हो गई है। यूक्रेन में 11.33 लाख से ज्यादा लोग इस वायरस से प्रभावित हुए हैं जबकि 20,334 लोगों की मौत हो चुकी है। दक्षिण अफ्रीका में 11.70 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 31,809 लोग काल के गाल में समा गए हैं। पेरू में इस वायरस से अब तक 10.22 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और 37,925 लोगों की मौत हो चुकी है। नीदरलैंड में कोरोना से 8.62 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं तथा 12,182 लोगों की मौत हुई है। इंडोनेशिया में संक्रमितों की संख्या 7.97 लाख हो गयी है और मृतकों का आंकड़ा 23,520 तक पहुंच गया है। चेक गणराज्य में कोरोना से अब तक 7.94 लाख लोग प्रभावित हुए हैं तथा 12,621 लोगों की मौत हुई है।

अमेरिका के सांसद ट्रंप को हटाने, महाभियोग लाने पर कर रहे हैं विचार

वाशिंगटन . अमेरिका में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दोनों पार्टियों के सांसद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हटाने की मांग कर रहे हैं। प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ने कहा कि अगर ट्रंप को नहीं हटाया गया तो प्रतिनिधि सभा उनके खिलाफ दूसरा महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार करेगी। ट्रंप का कार्यकाल पूरा होने में दो सप्ताह से भी कम समय रह गया है, फिर भी सांसद और यहां तक कि उनके प्रशासन के कुछ लोग भी बुधवार की हिंसा को लेकर यह चर्चा कर रहे हैं क्योंकि पहले तो ट्रंप ने यूएस कैपिटल (अमेरिकी संसद भवन) में अपने समर्थकों के हिंसक हंगामे की निंदा करने से इनकार किया और बाद में इस पर सफाई देते दिखे। ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी 25वें संशोधन की धारा चार के तहत अपनी ही कैबिनेट से उन्हें जबरन हटाने की संभावना पर गौर कर रहे हैं। पेलोसी ने बृहस्पतिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह उपराष्ट्रपति माइक पेंस और कैबिनेट के अन्य अधिकारियों के फैसले का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ और वित्त मंत्री स्टीव मनुचिन को चुनौती दी। पेलोसी ने पूछा, ''क्या वे इन कार्रवाइयों में साथ देंगे? क्या वे इस बात के लिए तैयार हैं कि अगले 13 दिन में यह खतरनाक शख्स हमारे देश को नुकसान पहुंचाने के लिए कुछ भी कर सके।'' पेलोसी ने कहा कि ट्रंप को अब कुछ भी करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। बुधवार को कैपिटल में हंगामे के लिए अधिकतर डेमोक्रेट और रिपब्लिकन नेताओं ने ट्रंप को जिम्मेदार बताया है। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने भी कैबिनेट से ट्रंप को हटाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''अगर उपराष्ट्रपति और कैबिनेट ने इस पर फैसला नहीं लिया तो कांग्रेस उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएगी।''

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी में जहरीली शराब ने ली जान

बुलंदशहर में शराब पीने से 5 की मौत

6 की हालत नाजुक; थाना प्रभारी समेत 3 पुलिसकर्मी सस्पेंड

बुलंदशहर (एजेंसी)। अपनों को खोने का दुख मनाते परिजन। कई लोगों को गंभीर हालत में अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में जहरीली शराब पीने से 5 लोगों की मौत हो गई। 16 लोगों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें ६ लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना के बाद एसपी संतोष कुमार ने लापरवाही के आरोप में थाना प्रभारी समेत

3 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। मौके पर एसडीएम और बड़ी संख्या में पुलिस पहुंच गई है। जांच जारी है।

जानकारी के अनुसार, मामला सिकंदराबाद थाना क्षेत्र के जीत गढ़ी गांव का है।

इस इलाके में बड़ी मात्रा में अवैध शराब की बिक्री होती है। बताया जा रहा है कि गांव के कुछ लोगों ने गुरुवार को शराब पी थी,

जिससे उनकी हालत बिगड़ गई। इलाज के लिए जिले के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल लाने के बाद डॉक्टरों की टीम ने 5 को मृत घोषित कर दिया। पुलिस की साठगांठ से शराब बेची जा रही थी इस बीच गांव वालों ने आरोप लगाया है कि शराब माफिया और आबकारी विभाग की साठगांठ से जहरीली शराब बेची जा रही थी।

घटना की सूचना मिलने पर गांव पहुंची पुलिस ने शराब बेचने वाले व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी है। तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है।

बदायूं गैंगरेप-मर्डर का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपी ने रखा था 50 हजार रुपए का इनाम

लखनऊ (एजेंसी)। बदायूं में महिला के साथ गैंगरेप और हत्या की घटना के मुख्य आरोपी महंत सत्यनारायण को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वो दो दिन से फरार था। पुलिस ने उस पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। जिला मजिस्ट्रेट कुमार प्रशांत ने गुरुवार आधी रात को बताया कि सत्यनारायण एक गांव में अपने अनुयायी के घर में छिपा हुआ था, जहां से उसे पकड़ा गया। उसे फौरन गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एसटीएफ को आदेश दिया था। जिला पुलिस के साथ एसटीएफ को भी मामले की जांच के आदेश दिए गए थे। आरोपियों पर एनएसए के तहत कार्रवाई करने के आदेश दिए गए थे। इस मामले के मुख्य आरोपी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इस घटना के चलते विपक्षी दलों ने यूपी

सरकार को घेरने की कोशिश भी की थी।

हालांकि मुख्यमंत्री योगी ने कहा था कि बदायूं की घटना अत्यंत निंदनीय है। अभियुक्तों के विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। बदायूं में मंदिर गई महिला के साथ हुई दरिंदगी के मामले में अब एक और जांच की जाएगी। यह जांच पोस्टमार्टम रिपोर्ट लीक होने से जुड़ी हुई है। जिला प्रशासन ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट लीक करने की मजिस्ट्रेटी जांच का आदेश दिए हैं। बदायूं डीएम ने यह जांच एडीएम को सौंपी है। उनसे नौ जनवरी तक जांच रिपोर्ट मांगी गई है। गौरतलब है कि पोस्टमार्टम से ही महिला के साथ हुई दरिंदगी का खुलासा हुआ था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया था कि महिला के प्राइवेट पार्ट में गंभीर जख्म थे और उसकी एक टांग भी टूटी हुई थी।

गौरतलब है कि बुधवार को बदायूं जिले से हैवानियत की हदें पार करने वाली खबर सामने आई थी दरअसल उघैती इलाके में रविवार रात 50 वर्षीय महिला अपने गांव के मंदिर में पूजा करने के लिए गई थी। जिसके बाद महिला का शव संदिग्ध हालात में मिला था। पुलिस ने जब इस मामले की जांच की और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई तो गैंगरेप की पुष्टि हुई थी। पुलिस ने इस मामले में गैंगरेप और हत्या का मामला दर्ज किया था और तीन लोगों को नामजद किया है। पुलिस की ओर से इस मामले में एक्शन के लिए चार टीमें बनाई गई थीं।

इस मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में उघैती के थाना प्रभारी राघवेंद्र को सस्पेंड कर दिया गया था। इस केस के दो आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी।

जबकि मुख्य आरोपी महंत सत्यनारायण फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे भी धर दबोचा।

यूपी सरकार ने माना आरोपी नदीम के खिलाफ नहीं मिले कोई सबूत

प्रयागराज(एजेंसी)। धर्म परिवर्तन निषेध अध्यादेश के तहत दर्ज मुकदमे में आरोपी हरिद्वार निवासी नदीम के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले है। यह जानकारी यूपी की योगी सरकार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट को दी है। उल्लेखनीय है कि यूपी ने धर्म परिवर्तन निषेध अध्यादेश पास होने के ठीक दो दिन बाद ३२ साल के नदीम और उसके भाई सलमान के खिलाफ २९ नवंबर को एक शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत मुज्जफरनगर के अक्षय कुमार ने की थी। नदीम के खिलाफ नए अध्यादेश की धारा तीन व पांच के अलावा आईपीसी की धाराओं के तहत धमकी देने और आपराधिक षडयंत्र का मुकदमा दर्ज कराया गया है। याची के खिलाफ अक्षय कुमार ने एफआईआर दर्ज कराई थी। उनका आरोप है कि नदीम ने धर्म परिवर्तन कराने की नीयत से उसकी पत्नी से अवैध संबंध बनाए और शादी करने के बहाने उस पर धर्म परिवर्तन का दवाब डाल रहा था। याची का कहना था कि वह एक गरीब मजदूर है तथा कुछ पैसों के लेनदेन के कारण उसे झूठे मुकदमे में फंसाया गया है।

लव जिहाद विरोधी कानून में नदीम तथा उसके भाई के खिलाफ दर्ज था केस

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने धर्म परिवर्तन निषेध अध्यादेश के तहत दर्ज मुकदमे में आरोपी हरिद्वार निवासी नदीम की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने उनके खिलाफ किसी तरह की उत्पीड़न वाली कार्रवाई भी नहीं करने का निर्देश दिया था। यह आदेश न्यायमूर्ति पंकज नकवी एवं न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की खंडपीठ ने दिया था। कोर्ट ने नए अध्यादेश की संवैधानिकता का मुद्दा मुख्य न्यायाधीश को संदर्भित कर दिया था। मुख्य न्यायाधीश इस अध्यादेश के विरुद्ध दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। वरिष्ठ अधिवक्ता नकवी ने कोर्ट में दलील दी थी कि अलग से अध्यादेश लाकर धर्म के आधार पर प्रतिबंधित विवाह संबंध सृजित करना साम्प्रदायिक और विभाजन करने वाला कानून बनाना है। वरिष्ठ अधिवक्ता का तर्क था कि जब केंद्र सरकार ने विवाह संबंधी कानून बना दिया तो राज्य सरकार के पास इस प्रकार का अध्यादेश लाने की गुंजाइश नहीं बचती है।

पुलिस की पूछताछ में कबूला जुर्म, घटना को अंजाम देने के बाद चार दिन तक आसपास के खेतों में ही छिपा रहा महंत

बदायूं (एजेंसी)। बदायूं गैंगरेप केस का मुख्य आरोपी 50 हजार के इनामी महंत सत्यनारायण को गुरुवार देर रात पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की कई टीमें उसे खोजती रही, लेकिन वह पहले उसी मंदिर के पास खेत में छुपा रहा, जहां उसने हैवानियत की थी। इसके बाद वह पड़ोस के गांव में चला गया। पुलिस ने दावा किया है कि उसने गांव वालों के सहयोग से आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब उससे पूछताछ कर रही है। इस अपराध में महंत के दो सहयोगी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। उल्लेखनीय है कि 3 जनवरी की रात बदायूं जिले में आंगनबाड़ी सहायिका के साथ गैंगरेप किया गया।

पीएम रिपोर्ट में उसके साथ हुई हैवानियत का खुलासा होने के बाद खलबली मच गई। इस घटना के बाद से आरोपी महंत सत्यनारायण फरार चल रहा था। प्रदेश सरकार ने गुरुवार को आईजी रेंज राजेश पांडेय को बदायूं में कैंप कर आरोपी महंत की गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। आईजी शाम को बदायूं पहुंचे। इसके बाद उन्होंने एसपी संकल्प शर्मा, एडीशनल पुलिस अधीक्षक और सीओ के साथ बैठक की। बाद में गांव के प्रधान व अन्य संभ्रांत लोगों के साथ बातचीत की। धर्म स्थल के आसपास से जुड़े प्रभावशाली लोगों से भी बातचीत की गई।

देर रात पुलिस ने महंत को पकड़ने के लिए कांबिंग शुरू की। जिसके बाद महंत को खेत से पकड़ा जा सका। पुलिस का कहना है कि गांव वालों के सहयोग से आरोपी महंत सत्यनारायण को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस हिरासत में उससे पूछताछ की जा रही है। आरोपी महंत घटना को अंजाम देने के बाद से ही आसपास के खेतों में छुपा रहा। उसके समर्थक उसे खाने पीने की चीजे खेत में पहुंचा रहे थे। आईजी रेंज राजेश पांडेय ने बताया कि आरोपी महंत को उघैती में धर्म स्थल के पास से ही गिरफ्तार किया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। उसके दोनों सहयोगियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

महिला की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में कर्तव्यहीनता के आरोप में तत्कालीन इंस्पेक्टर राघवेंद्र प्रताप सिंह खिलाफ धारा 166 ए के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। निर्भया कांड के बाद इस धारा के तहत दो साल की सजा का प्रावधान है। गुरुवार को पीड़िता के घर राजनीतिक दलों का जमावड़ा लगा रहा। राष्ट्रीय और राज्य महिला आयोगों की सदस्याओं ने भी मिलकर न्याय का भरोसा दिलाया। इस बीच, एसटीएफ की टीम ने भी पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी थी।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा उत्तरप्रदेश में विपक्ष जैसा कुछ भी नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में विपक्षी दलों की भूमिका पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि राज्य में विपक्ष शायद ही मौजूद है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इस समय विपक्ष जैसा कुछ भी नहीं है। वह सिर्फ याचिकाएं सौंपने के लिए आते हैं और खुद ही मेरे साथ फोटो खिंचवा लेते हैं। मैं भी उनके ज्ञापन को ले लेती हूं। उन्होंने कहा कि ज्ञापन लिखना विपक्ष का काम नहीं है। आनंदीबेन पटेल ने कहा कि उन्हें अपने संगठन को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए और अपना जनाधार भी बढ़ाना चाहिए। विपक्ष को सलाह देते हुए राज्यपाल पटेल ने कहा कि उन्हें घर-घर जाना चाहिए और यह पता करना चाहिए कि उनकी जरूरत क्या है और सरकार कहां गलत कर रही है?

अखिलेश यादव के हालिया बयान पर आनंदीबेन पटेल ने कहा कि लोकतंत्र को एक शक्तिशाली और स्वस्थ विपक्ष की आवश्यकता होती है। ऐसा बयान देकर विपक्ष क्या कहना चाहता है? उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस का टीका और

संगठन को मजबूत करने के लिए विपक्ष को दी कड़ी मेहनत करने की नसीहत

इससे जुड़े कार्य जनहित के लिए हैं। इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए और इसी लिए जरूरी है कि विपक्ष स्वस्थ रहे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इस तरीके के बयान देने के बजाय विपक्ष को सामने आना चाहिए और लोगों के टीका लेने और आपदा से देश को लड़ने में मदद करना चाहिए। महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर उन्होंने कहा कि 60 साल पहले की तुलना में महिलाओं के जीवन में निश्चित तौर पर बड़ा बदलाव आया है। लेकिन अभी भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। आनंदीबेन पटेल ने कहा कि आजकल के लड़के क्या करते हैं, इस पर नजर रखने का समय आ गया है। उन्होंने कहा की देरी से आने पर मां-बाप को उनसे सवाल पूछना चाहिए और इस पर भी नजर रखनी चाहिए कि उनकी कंपनी कैसी है। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि लड़कियों को किसी भी प्रकार के विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार करना भी माता-पिता की ही जिम्मेदारी होती है। इसके लिए उन्हें पौष्टिक भोजन दिया जाना चाहिए, स्कूल भेजा जाना चाहिए और आत्मरक्षा में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव अपने कार्यकर्ताओं के घर जाने के अलावा राज्यपाल से ज्ञापन सौंपने के लिए जरूर मुलाकात करते दिख जाते हैं। जबकि मायावती सिर्फ चुनाव के समय ही जमीन पर सक्रिय रहती हैं। कांग्रेस के बड़े नेता प्रियंका गांधी और राहुल गांधी ट्विटर पर ही ज्यादा सक्रिय दिखाई देते हैं।

यूपी- इंसानियत शर्मसार,

राष्ट्रीय जलीय जीव डॉल्फिन को लाठी-कुल्हाड़ी से वार कर मार डाला

प्रतापगढ़ (एजेंसी)। मनुष्य को मानवीयता का पहरेदार माना जाता है पर जब उसमें वही न हो तो वह हैवान बन जाता है। उत्तरप्रदेश के प्रतापगढ़ की शारदा सहायक जल शाखा में इंसानियत को शर्मसार करने वाला वाकया सामने आया है। शारदा जल शाखा में एक गुलाबी डॉल्फिन को कुछ लोग लकड़ी औ कुल्हाड़ी लेकर बेरहमी से मार रहे थे। आखिर उस निर्जीव प्राणी का क्या कसूर है जो उसे बेरहमी से हैवानों ने मौत के घाट उतार दिया। डॉल्फिन की हत्या से नहर का पानी लाल हो गया। गंगा डॉल्फिन भारत का दूसरा राष्ट्रीय जलीय जीव है, जो विलुप्ति की कगार पर है। डॉल्फिन की हत्या का वीडियो खूब वायरल हुआ जिसमें लोग डॉल्फिन को घेर कर खड़े है और उस पर वार कर रहे है। ऐसा वीडियो देखकर हर किसी का खून खौल उठा। ये इस क्षेत्र में डॉल्फिन की हत्या का दूसरा मामला है। इस पूरे मामले में पुलिस अभी मूकदर्शक बनी हुई है। लेकिन उसका वीडियो अब जाकर वायरल हुआ है।

सार-समाचार

पत्नी की ठगी का शिकार हुआ पति, 30 लाख का चूना लगा हुई फरार

फिरोजपुर (एजेंसी)। पति-पत्नी के पवित्र रिश्ते की डोर विश्वास पर टिकी होती है पर जब पत्नी रुपयों के लालच में अपने ही पति को ठग ले तो आप क्या कहेंगे। कुछ ऐसा ही मामला पंजाब में उजागर हुआ है। यहां शादी और ऑस्ट्रेलिया भेजने पर करीब 30 लाख रुपए खर्च कर चुके पति को ऑस्ट्रेलिया बुलाने से मना करने पर थाना मल्ला वाला की पुलिस ने पत्नी और उसके दो परिवारिक सदस्यों के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 406, 506 और 120- बी के तहत मुकदमा दर्ज किया है। यह जानकारी देते हुए थाना मल्ला वाला के एएसआई दर्शन सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता युवक बलजिंदर सिंह पुत्र सुखविंदर सिंह वासी गांव मीहा सिंह वाला ने पुलिस अधिकारियों को दी लिखित शिकायत में आरोप लगाते हुए बताया है कि उसकी शादी मनदीप कौर पुत्री संतोख सिंह के साथ वर्ष 2018 में हुई थी और उसकी शादी पर शिकायतकर्ता के परिवार ने करीब 12 लाख रुपए खर्च किए थे।

शिकायतकर्ता के अनुसार उसकी पत्नी मनदीप कौर को विदेश भेजने के लिए उसने करीब 13 लाख रुपए खर्च किए और उसे आईलेट्स करवा कर ऑस्ट्रेलिया भेजा। शिकायतकर्ता के अनुसार उसकी पत्नी मनदीप कौर ने कथित रूप में अपने परिवार के साथ मिलकर और विदेश जाकर शिकायतकर्ता को अपने पास बुलाने से मना कर दिया है और उसके साथ 30 लाख रुपए की ठगी की है।

एएसआई दर्शन सिंह ने बताया कि इस शिकायत की जांच पड़ताल करने के बाद पुलिस द्वारा दरखास्त नंबर 6011 पीसी के आधार पर थाना मल्ला वाला में पुलिस ने शिकायतकर्ता की पत्नी मनदीप कौर उसके परिवार के भाई लवप्रीत सिंह और उसकी मां अमरजीत कौर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए कार्यवाही शुरू कर दी है।

बुलंदशहर में जहरीली शराब पीने से 5 लोगों की मौत

बुलंदशहर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में जहरीली शराब पीने से 5 लोगों की मौत हो गई है, जबकि लगभग 16 लेग गंभीर हैं। पुलिस ने इस मामले में अब तक 3 लोगों को हिरासत में लिया गया है। बुलंदशहर के एसएसपी ने इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

थाना प्रभारी, चौकी इंचार्ज व हलका इंचार्ज

पुलिस ने बताया कि इस मामले में दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में थाना प्रभारी दीक्षित कुमार त्यागी, हलका इंचार्ज और चौकी प्रभारी अनोखे पुरी को निलंबित कर दिया गया है। फिलहाल इस मामले में अब तक 3 लोगों को हिरासत में लिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

बाबरी विध्वंस के मामले में 31 आरोपियों को बरी कर देने के खिलाफ याचिका दायर

लखनऊ(एजेंसी)। बाबरी विध्वंस के मामले में भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी समेत सारे 31 आरोपियों को बरी कर देने के खिलाफ इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊबेंच में रिविज़न पेटिशन दाखिल की गई है। याचिका बाबरी मस्जिद के पैरोकार रहे अयोध्या के हाजी महबूब ने दाखिल की है। हाजी महबूब ने सीबीआई की विशेष अदालत के फैसले के खिलाफ क़रीब 500 पेज की रिविज़न पिटिशन हाई कोर्ट की लखनऊबेंच की रजिस्ट्री में दाखिल की है।

सीबीआई की विशेष अदालत ने 28 साल तक चले इस मुक़दमे का फैसला 30 सितंबर 2020 को दिया था। इसमें सभी ३१ आरोपियों को बरी कर दिया गया था। विशेष अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि बाबरी मस्जिद किसी साज़िश के तहत नहीं गिराई गई है, बल्कि ये कुछ असामाजिक तत्वों की करतूत का नतीजा है। अदालत ने यह भी कहा था कि जिन नेताओं को आरोपी बनाया गया है, उन्होंने मस्जिद टूटने से बचाने की कोशिश की थी।

बदायूं गैंगरेप पर महिला आयोग की सदस्य का बयान शर्मनाक- प्रियंका गांधी

लखनऊ(एजेंसी)। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश की प्रभारी एवं राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने बदायूं में सामूहिक दुष्कर्म की घटना पर राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य के बयान को शर्मनाक बताते हुए शुक्रवार को कहा कि ऐसी सोच मे महिलाओं की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जा सकती है।

प्रियंका गांधी ने फेसबुक पोस्ट पर लिखा कि क्या इस व्यवहार से हम महिला सुरक्षा सुनिश्चित कर पाएंगे। महिला आयोग की सदस्य बलात्कार के लिए पीड़िता को दोषी ठहरा रही हैं। बदायूं प्रशासन को ये चिंता है कि इस केस का सच सामने लाने वाली पीड़िता की पोस्टमार्टम लीक कैसे हुई। उन्होंने कहा कि याद रखिए कि इस समय एक और भयावह बलात्कार के मामले में मुरादाबाद की पीड़िता मौत से जंग लड़ रही है। महिलाएं इस प्रशासनिक प्रणाली को व इस बदजुबानी को माफ नहीं करेंगी। इसके साथ ही उन्होंने एक खबर पोस्ट की है जिसमें कहा गया है कि राष्ट्रीय महिला आयोग की

सदस्य चंद्रमुखी देवी ने गुरुवार को पीड़िता परिवार से मिलने के बाद कहा कि पीड़िता शाम के वक्त बाहर नहीं जाती तो सामूहिक दुष्कर्म नहीं होता। राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य चंद्रमुखी देवी ने गुरुवार को बदायूं में पीड़ित परिवार के घर का दौरा किया था और पुलिस अधिकारियों से जानकारी हासिल की थी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी सोमवार को मुख्यमंत्रियों के साथ करेंगे बैठक, कोरोना टीकाकरण को लेकर हो सकती है चर्चा

नेशनल डेस्क :

कोरोना वैक्सीन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ अहम बैठक करेंगे। यह बैठक शाम 4 बजे होगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। कोरोना टीकाकरण से पहले की यह बैठक बेहद अहम होगी। इसमें सभी राज्यों के टीकाकरण की तैयारियों को लेकर समीक्षा की जा सकती है। बता दें कि देश की दो स्वदेशी वैक्सीन सीरम इंस्टीट्यूट की कोविशील्ड और भारत बायोटेक की कोवैक्सीन को ष्ठष्टत्तढ्ढ ने आपातकाल इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन ने शुक्रवार को कहा कि कोविड-19 के खिलाफ प्राथमिकता वाले लोगों के टीकाकरण के बाद जल्द ही पूरी आबादी का टीकाकरण सच्चाई होगी। यहां राजीव गांधी राजकीय अस्पताल में कोविड-19 टीकाकरण पूर्वाभ्यास की समीक्षा करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में वर्धन ने कहा कि केंद्र ने टीकाकरण के संभावित लाभार्थियों का पता लगाने के लिए नए कोविड-19 मंच की शुरुआत की है और साथ ही उन्हें इलेक्ट्रॉनिक प्रमाण पत्र भी जारी कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत ने यथासंभव कम समय में टीका विकसित करने में बहुत ही बढ़िया काम किया है और मौजूदा समय में दो टीकों को आपात इस्तेमाल के लिए मंजूरी दी गई है। वर्धन ने कहा, '' अगले कुछ दिनों में और साथ ही निकट भविष्य में , हम इन टीकों को प्राथमिकता के आधार पर उन देशवासियों को देने में सक्षम होंगे जिन्हें सरकारी एवं निजी क्षेत्र में खतरा है। सरकार पहले ही इसकी योजना को सार्वजनिक कर चुकी है।%% केंद्रीय मंत्री ने सरकारी ओमनदुरार अस्पताल और यहां के कुछ अन्य केंद्रों का भी दौरा किया। उन्होंने कहा, '' कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण की तैयारी हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी द्वारा टीकाकरण पर विशेषज्ञ समिति गठित करने के बाद चार-पांच महीने पहले ही शुरू कर दी थी। हमने हर पहलू पर बारीकी से काम किया और जमीन पर काम करने वालों तक सूचना का आदान-प्रदान किया। वर्धन ने बताया कि इस प्रक्रिया में लाखों स्वास्थ्य कर्मियों को उचित तरीके से प्रशिक्षित किया गया।

उल्लेखनीय है कि देश में कोरोना टीकाकरण को लेकर ड्राई रन किया जा रहा है। शुक्रवार को भी देश के सभी जिलों में कोरोना वैक्सीनेशन को लेकर ड्राई रन किया गया। इस दौरान लोगों को टीकाकरण का अभ्यास करने का मौका मिला।

पंजाब कोरोना वैक्सीन का प्रबंध करने के लिए तैयार : मंत्री

चंडीगढ़। पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने शुक्रवार को कहा कि कोरोना वैक्सीन जैसे ही मिलती है हम उसका सुचारू रुप से टीकाकरण करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि राज्यव्यापी टीकाकरण अभियान के लिए ड्राई रन सफल रहा। उन्होंने मीडिया से कहा, सभी लॉजिस्टिक्स पर काम किया जा चुका है और हम इसे चलाने के लिए तैयार हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, पूरी टीकाकरण प्रक्रिया की समीक्षा की गई है। कर्मचारियों को वैक्सीन के प्रबंधन के सभी पहलुओं से परिचित कराया गया है। परिचालन पहलुओं की गहन समीक्षा की गई है और कोविन पोर्टल की व्यवहार्यता की निगरानी की गई है। सिद्धू ने कहा, अभी तक हमारे पास 1,000 प्रशिक्षित वैक्सीनेटर और चार सहायक टीम के सदस्य हैं। राज्य प्रति दिन टीके की चार लाख खुराक देने के लिए तैयार है। टीका पहले से पंजीकृत लाभार्थियों की सहमति से ही दिया जाएगा। पहले चरण में, निजी और सार्वजनिक सुविधाओं के 1.6 लाख हेल्थकेयर वर्कर्स को दिया जाएगा, इसके बाद पुलिस और राजस्व अधिकारियों सहित अन्य फ्रंटलाइन कोरोना योद्धाओं को शामिल किया जाएगा। इसके बाद, बुजुर्ग और अधिक जरुरतमंद वाले लोगों को टीका लगाया जाएगा।

खरगौन में नर्मदा नदी में नाव पलटी, 9 लोगों को सुरक्षित बचाया गया

खरगौन। मध्य प्रदेश के खरगौन जिले में नर्मदा नदी में चुनरी चढ़ाने गए श्रद्धालुओं की नाव रेलवे पुल के खंभे से टकराने के बाद पलट गई। नाव में सवार नौ लोगों को स्थानीय लोगों की मदद से बचा लिया गया है, वहीं दो लापता हैं जिनकी तलाश जारी है। मिली जानकारी के अनुसार मोरटक्का इलाके में नर्मदा नदी में श्रद्धालु नाव से चुनरी चढ़ाने गए थे। इस नाव में 11 लोगों के सवार होने की बात कही जा रही है, तभी अचानक नाव रेलवे पुल के खंभे से टकराने के बाद पलट गई। सभी नाव सवार पानी में डूबने लगे। इस हादसे को होते लोगों ने देखा ओर वे पानी में डूब रहे लोगों के बचाने के लिए हादसा स्थल की ओर नाव से पहुंचे। राजू केवट और बाबू लाल मालवीय हादसे का शिकार हुए लोगों को बचाने अन्य लोगों के साथ मौके पर पहुंचे। मालवीय ने बताया है कि वे तैरते हुए मौके पर पहुंचे और लोगों को बचाया। इलाके के लोगों ने आठ लोगों को बचाया। राजू केवट ने बताया है कि, नर्मदा नदी में नाव में सवार लोग चुनरी चढ़ा रहे थे, तभी नाव रेलवे पुल के खंभे से टकराने के बाद पलट गई, इस हादसे को देखते हुए बाबूलाल को आवाज लगाई और वे नदी में कूद गए। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार इस हादसे में नाव में सवार नौ लोगों को बचा लिया गया है और उन्हे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। वहीं दो लोगों की खोज की जा रही है।

राजस्थान में कोविड-19 टीकाकरण का ड्राई रन सफलतापूर्वक आयोजित

जयपुर। कोविड -19 टीकाकरण का दूसरा ड्राइ रन शुक्रवार को राजस्थान में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा ने कहा कि राज्य के 102 टीकाकरण केंद्रों में शुक्रवार को 2,550 स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं संग कोविड-19 टीकाकरण की एक मॉक ड्रिल की गई। अभ्यास के दौरान, संभावित प्रतिकूल प्रभावों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। शर्मा ने कहा कि यह कोविड -19 टीकाकरण का दूसरा ड्राइ रन था। पहले दौर में, 2 जनवरी को राज्य के 7 जिलों में 18 केंद्रों पर 424 कोरोना योद्धाओं के लिए एक मॉक ड्रिल आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में टीका केंद्रों की तीन श्रेणियां बनाकर शुक्रवार की मॉक ड्रिल आयोजित की गई। पहली श्रेणी के भाग के रूप में मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों में कुल 102 वैक्सीन केंद्र स्थापित किए गए थे। सीएचसी, पीएचसी और शहरी औषधालय दूसरी श्रेणी का हिस्सा थे, जबकि निजी चिकित्सा संस्थानों को तीसरी श्रेणी में रखा गया था। प्रत्येक केंद्र के लिए 25 टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। राज्य के स्वास्थ्य सचिव सिद्धार्थ महाजन ने जयपुर और अन्य जिलों में वैक्सीन केंद्रों पर जाकर ड्राई रन का निरीक्षण किया। जिला कलेक्टरों के नेतृत्व में अन्य वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों ने ड्राई रन की निगरानी की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

गो हत्या के आरोपियों को पकडऩे की मांग को लेकर लोगों ने किया प्रदर्शन

कठुआ(गुरप्रीत) । गोविंदसर क्षेत्र में गत दिनों हुए गो हत्या मामले में आरोपियों को पकडऩे की मांग को लेकर लोगों ने डी.सी. कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मार्ग पर प्रदर्शन करते हुए प्रशासन एवं पुलिस की कार्यप्रणाली की आलोचना की। प्रदर्शनकारियों का रोष था कि पुलिस मामले को लेकर उचित कार्रवाई नहीं कर रही है। प्रदर्शन की सूचना के बाद मौके पर डी.एस.पी. के.डी. भगत पहुंचे जिन्होंने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि पुलिस जांच बढ़ा रही है। वहीं, बाद में डी.सी. कार्यालय परिसर में जिला पुलिस प्रमुख डॉ शैलेंद्र मिश्रा ने खुद मौके पर आकर लोगों को आश्वासन दिया कि पुलिस जांच आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस तमाम पहलुओं, तथ्यों को देखते हुए अपनी कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने मामला भी दर्ज किया है और आरोपी भी जल्द गिरफ्त में होंगे। उन्होंने लोगों से कहा कि वे संयम रखें और सहयोग करें। उन्होंने कहा कि गत दिनों गोविंदसर के अलावा एक अन्य मामला भी पहाड़ी ऊपरी क्षेत्र में सामने आया है। पुलिस दोनों मामलों को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

मप्र के 9 जिलों में फैला बर्ड फ्लू

भोपाल। मध्य प्रदेश में बर्ड फ्लू की दस्तक के बाद सरकार की चिंताएं बढ़ी हुई हैं। बर्ड फलू की रोकथाम के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य के 52 में से 21 जिलों में कौओं और बगुलों की मौत हुई है। वहीं नौ जिलों में तो बर्ड फ्लू की पुष्टि भी हो चुकी है। प्रदेश में अब-तक नौ जिलों इंदौर, मंदसौर, आगर, नीमच, देवास, उज्जैन, खण्डवा, खरगौन और गुना में कौओं में बर्ड फ्लू वायरस की पुष्टि हो चुकी है। अब-तक 21 जिलों से 885 कौओं और नौ बगुलों की मृत्यु हुई है। विभिन्न जिलों से 293 सैम्पल राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा रोग अनुसंधान प्रयोगशाला भोपाल को जांच के लिये भेजे गये हैं। इंदौर और नीमच जिले में बर्ड फ्लू से प्रभावित क्षेत्र के आस-पास कुक्कुट बाजार आदि को सतर्कता एवं सावधानी की दृष्टि से अगले सात दिनों के लिये बंद किया गया है। वहीं एहतियात के तौर पर इंदौर के चिकन मार्केट में लगभग 200 मुर्गियों और 700 अण्डों तथा नीमच जिले के चिकिन मार्केट की दुकानों की लगभग 450 मुर्गियों को खत्म किया गया है। पशुपालन विभाग ने कुक्कुट पालकों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न देते हुए अनावश्यक भ्रम या भय की स्थिति उत्पन्न न होने दें। सभी जिलों में रोग नियंत्रण की कार्रवाई भारत सरकार की एडवाइजरी के अनुसार की जा रही है। केंद्र एवं राज्य शासन की एडवाइजरी के अनुसार पूर्ण सावधानी एवं सतर्कता बरतें।

बुलंदशहर की घटना का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, योगी ने सात पर गिराई गाज

बुलंदशहर।

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में अवैध शराब के कारण पांच लोगों की मौत के बाद मुख्यमंत्री ने कड़ा कदम उठाया है। इस घटना का मुख्य आरोपी कुलदीप दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। साथ ही बुलंदशहर में सिकंदराबाद थाना में तीन के निलंबन के बाद आबकारी विभाग में भी तीन बड़े अधिकारियों को उनके पद से हटाने के साथ चार को निलंबित किया गया है। बुलंदशहर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संतोष सिंह ने बताया कि बुलंदशहर शराब कांड का मुख्य आरोपी कुलदीप को पुलिस की टीम ने दिल्ली के शाहदरा से गिरफ्तार किया है। उधर, अपर मुख्य सचिव आबकारी संजय आर भूसरेड्डी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्देश मिलने के बाद संयुक्त आबकारी आयुक्त के साथ उप आबकारी आयुक्त को पद से हटाने के बाद उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई का भी निर्देश दिया है। संयुक्त आबकारी आयुक्त राजेश मणि त्रिपाठी और उप आबकारी आयुक्त सुरेश चंद्र पटेल को उनके पद से हटाया गया है। इन दोनों बड़े अफसरों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई का भी निर्देश दिया गया है। इनके अलावा जिला आबकारी अधिकारी बुलंदशहर संजय कुमार त्रिपाठी का भी तबादला कर दिया गया है। इनके खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त आबकारी आयुक्त और उप आबकारी आयुक्त को आबकारी आयुक्त मुख्यालय से संबद्ध किया गया है। इन तीनों की विभागीय जांच भी होगी। बुलंदशहर की इस घटना के बाद आबकारी निरीक्षक के साथ ही प्रधान आबकारी सिपाही और दो आबकारी सिपाही को निलंबित किया गया है। इस गंभीर प्रकरण में बुलंदशहर के जिला आबकारी निरीक्षक प्रभात वर्धन के साथ ही प्रधान आबकारी सिपाही रामबाबू तथा आबकारी सिपाही श्रीकांत सॉन्ग व सलीम अहमद को निलम्बित किया गया है। गौरतलब है कि बुलंदशहर के सिकंदराबाद कोतवाली क्षेत्र के गांव जीतगढ़ी में जहरीली शराब पीने से अब तक कुल पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 16 लोगों की हालत गंभीर है। गंभीर लोगों को उपचार के लिए विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इस मामले में लापरवाही के आरोप में थाना प्रभारी समेत तीन लोगों को निलंबित कर दिया गया। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि प्रथमदृष्टया में यह पाया गया है कि शराब बाहर से लाई गई थी। शराब की दुकानों पर छापेमारी की जा रही है। बताया गया कि मृतक सभी मजदूर थे। मृतकों ने गांव में ही अवैध रूप से शराब बेचने वाले एक युवक से रात शराब खरीदकर पी थी। शराब पीने के कुछ देर बाद ही लोगों की हालत बिगड़ने लगी। परिजन उपचार के लिए उन्हें चिकित्सकों के पास लेकर पहुंचे। जिसमें से पांच की मौत हो गई।

छह राज्यों में बर्ड फ्लू की पुष्टि, दिल्ली में 16 पक्षियों की आकस्मिक मौत

नेशनल डेस्क।

केन्द्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि अब तक केरल, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और गुजरात में बर्ड फ्लू की पुष्टि हो चुकी है। सरकार ने इन छह राज्यों को कार्य योजना के अनुसार इस बीमारी पर काबू पाने का निर्देश दिया है। दिल्ली के हस्तसाल विलेज के डीडीए पार्क में भी 16 पक्षियों की आकस्मिक मौत की खबर मिली है और नमूनों को जांच के लिये प्रयोगशाला भेज दिया गया है।

छह राज्यों में बर्ड फ्लू की पुष्टि

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, %अब तक छह राज्यों (केरल, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और गुजरात) में संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। पता चला है कि केरल के दोनों प्रभावित जिलों में पक्षियों को मारने का अभियान खत्म हो गया है। संक्रमण मुक्त करने की प्रक्रिया जारी है। बयान में कहा गया है कि अभी तक एवियन इंफ्लूएंजा (एआई) से अछूते रहे राज्यों से भी पक्षियों का आकस्मिक मौत के लेकर सतर्क रहने और तत्काल इसकी जानकारी देने का अनुरोध किया गया है ताकि कम से कम समय में आवश्यक कदम उठाए जा सकें। प्रभावित राज्यों केरल, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश का दौरा करने के लिये केन्द्रीय टीमों का गठन किया गया है जो हालात पर नजर रखते हुए महामारी संबंधी आवश्यक जांच करेंगी।

इन जिलों में कौओं के बीच बर्ड फ्लू फैलने की पुष्टि

सरकार ने कहा कि आईसीएआर-निषाद ने नमूनों की जांच के बाद हरियाणा के पंचकूला की दो पॉल्ट्री फर्मों में एवियन इंफ्लुएंजा संक्रमण होने की पुष्टि की है। गुजरात के जूनागढ़ जिले में प्रवासी पक्षियों के साथ-साथ राजस्थान के सवाई माधोपुर, पाली, जैसलमेर और मोहर जिलों में कौओं के बीच बर्ड फ्लू फैलने की पुष्टि हुई है। लिहाजा, पशुधन एवं डेयरी विभाग ने प्रभावित राज्यों को कार्ययोजना के अनुसार रोग को काबू में करने का सुझाव दिया है। बयान में कहा गया है, दिल्ली के हस्तसाल विलेज के डीडीए पार्क में भी 16 पक्षियों की आकस्मिक मौत होने की खबर मिली है। दिल्ली के पशुधन विभाग ने ऐहतियाती कदम उठाते हुए नमूनों को आईसीएआर-निषाद भेद दिया है और जांच रिपोर्ट की प्रतीक्षा की जा रही है।

अंडों और चिकन के सेवन को लेकर लोगो में फैला असमंजस

सरकार ने कहा कि पॉल्ट्री किसानों और आम लोगों (अंडे और चिकन के उपभोक्ताओं) के बीच बीमारी को लेकर जागरुकता बहुत महत्वपूर्ण है। बयान में कहा गया है, चिकन और अंडों के सेवन को लेकर भरोसा पैदा करने से संबंधित पशुधन एवं डेयरी विभाग के सचिव का संप्रेषण स्वास्थ्य मंत्रालय को भेज दिया गया है। बयान में कहा गया है कि स्वास्थ्य मंत्रालय से इस संबंध में पर्याप्त परामर्श जारी करने का अनुरोध किया गया है ताकि अफवाहों को लगाम लगाकर लोगो के बीच अंडों और चिकन के सेवन के प्रति भरोसा कायम किया जा सके। बयान में कहा गया है, इसके अलावा, राज्यों से उन पॉल्ट्री या पॉल्ट्री उत्पादों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का अनुरोध किया गया है जिन्हें उबालकर या पकाकर खाना सुरक्षित है। केन्द्र सरकार ने इस मामले में सहायता मुहैया कराने का आश्वासन दिया है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में यूपी का पूर्व सैनिक गिरफ्तार

लखनऊ / मेरठ।

उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को एक रिटायर्ड सैनिक को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि सेवानिवृत्त सिग्नलमैन सौरभ शर्मा को उत्तर प्रदेश के आतंकवाद-रोधी दस्ते (एटीएस) ने लखनऊ में सैन्य खुफिया (एमआई) यूनिट से मिले इनपुट के बाद गिरफ्तार किया। पूर्व सैनिक कथित तौर पर कराची में स्थित पाकिस्तानी खुफिया संचालकों के लिए काम कर रहा था। सूत्रों ने कहा कि पिछले नवंबर में, लखनऊ एमआई के अधिकारियों को जासूसी गतिविधियों में शर्मा की भागीदारी के बारे में इनपुट मिले थे। हापुड़ जिले के बिहुनी गांव में अपने पैतृक घर से गिरफ्तारी के बाद, शर्मा ने पूछताछकर्ताओं को बताया कि वह 2014 में फेसबुक पर एक पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटर के संपर्क में था। सूत्रों के अनुसार, शुरुआत में पाकिस्तानी ऑपरेटिव ने खुद को एक रक्षा पत्रकार के रूप में पेश किया। इसके बाद, 2016 से, उसने पैसे के बदले में संवेदनशील सैन्य जानकारी साझा करना शुरू कर दिया। पूर्व सैनिक को जून 2020 में चिकित्सा आधार पर सेना से डिस्चार्ज कर दिया गया था। सूत्रों ने कहा कि उसकी गतिविधियों का प्रमाण उसके मोबाइल फोन पर भी मिला है। शर्मा के खिलाफ लखनऊ में गोमती नगर पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 120-बी और 123, आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम की धारा 3, 4, 5 और 9 और गैरकानूनी गतिविधियों (रोकथाम) अधिनियम की धारा 13 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बिहार: कोरोना टीकाकरण को लेकर दूसरे चरण में 114 स्थलों पर किया गया ड्राई रन

बिहार।

कोरोना टीकाकरण को लेकर दूसरे चरण में 114 स्थलों पर किया गया ड्राई रनपटना, 8 जनवरी (आईएएनएस)। कोरोना टीकाकरण को लेकर शुक्रवार को बिहार में ड्राई रन चलाया गया गया। पटना में चार केंद्रों पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल, नालंदा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, पारस अस्पताल व रिसर्च सेंटर तथा खगौल स्थित मध्य विद्यालय पर टीकाकरण का ड्राई रन किया गया। इसके अलावा राज्य के सभी जिलों में तीन स्थानों पर ड्राई रन चलाया गया। सभी केंद्रों पर ड्राई रन के दौरान 25 लोगों को टीका लगाया गया। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बिहार में कुल 114 चिन्हित स्थलों पर कोविड-19 टीकाकरण का ड्राई रन किया गया। इसमें से 30 सरकारी जिला अस्पताल, नौ मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, 16 निजी स्वास्थ्य सेवाएं, 23 ग्रामीण एवं शहरी वाह्य सत्र स्थल एवं 36 अन्य स्थल शामिल थे। स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव प्रत्यय अमृत के साथ राज्य प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. एन के सिन्हा ने पटना स्थित ड्राई रन स्थलों का जायजा लिया एवं ड्राई रन कर रहे प्रतिरक्षण अधिकारियों से बात की। इसके साथ ही जिले के सिविल सर्जन एवं जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इधर, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बताया कि टीकाकरण को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से लगातार मदद और मार्गदर्शन मिल रहा है। इसके अलावा जरूरी संसाधन भी मुहैया कराया गया है। उन्होंने कहा कि ड्राई रन के आधार पर ही आगे भी टीकाकरण का काम होना है, इसलिए दूसरे चरण के ड्राई रन के दौरान केंद्र सरकार के गाइड लाइन का पूरा ख्याल रखा गया। पांडेय ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग टीकाकरण को लेकर पूरी तरह से तैयार है। केंद्र से जैसे ही टीका बिहार पहुंचेगा, टीकाकरण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

दिल्ली पुलिस ने अवैध हथियार तस्कर को किया गिरफ्तार, 35 पिस्तौल जब्त

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस से पहले, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अंतर्राज्यीय अवैध हथियार आपूर्ति रैकेट के एक प्रमुख सदस्य को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से 60 जिंदा कारतूस के साथ 35 पिस्तौल भी जब्त किए हैं। आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के रहने वाले आशीष कुमार पांडे (24) के रूप में हुई। पुलिस ने कहा कि एक गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी को गुरुवार को पीतमपुरा इलाके से गिरफ्तार किया गया। डीसीपी स्पेशल सेल संजीव कुमार यादव ने कहा, तलाशी के दौरान, जोकि पांडव नगर क्षेत्र से चुराई गई थी, उसमें छिपी 35 अवैध सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल और 60 जिंदा गोलियां बरामद की गई है। हमने उनके पास से अवैध हथियार आपूर्ति गतिविधियों में इस्तेमाल किए गए सिम कार्ड के साथ एक मोबाइल हैंडसेट भी जब्त किया है। उन्होंने कहा, कार के हर दरवाजे में एक गुप्त जगह छिपाई गई 4 पिस्तौल और स्टेपनी के नीचे छिपाई गई 19 पिस्तौल बरामद किए गए। पीएस स्पेशल सेल दिल्ली में एक मामला दर्ज कर लिया गया है। पूछताछ के दौरान, आशीष ने खुलासा किया कि वह एक अवैध हथियार आपूर्ति गिरोह का हिस्सा है। दो साल से अधिक समय तक इस अवैध धंधे में रहने की बात स्वीकार करने वाले आशीष ने कहा कि उसने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में अपराधियों को अवैध पिस्तौल मुहैया कराई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)